हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 नागपुर, सोमवार, 8 सितंबर 2025 अंक 324/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक
क्या आप जोडे के दर्द से परेशान हो ?
• जोडों का दर्द • गठियावात • सन्धिशोध • सरवाइकल पेन पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।
तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।
नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.
फोन 9112079000 / 8605245080
आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

दहिसर के 24 मंजिला इमारत में लगी आग

1 महिला की मौत, 18 झुलसे

मुंबई.

उत्तरी मुंबई के दहिसर में 24 मंजिला इमारत में रविवार को भीषण आग लग गई. इस हादसे में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि आग बुझा ली गई है. जानकारी के मुताबिक ये आग दहिसर की शांतिनगर स्थित नई जनकल्याण सोसायटी में लगी. ये आगे बिल्डिंग की सातवीं मंजिल पर लगी. ये घटना दोपहर करीब तीन बजे की बताई जा रही है. करीब तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया गया. मुंबई अग्निशमन विभाग ने बताया कि आग लगने की घटना में 36 लोगों को रेस्क्यू किया गया.

इनमें से 19 लोगों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया. रोहित अस्पताल में सात घायलों की सूचना मिली है, जिनमें एक महिला की मौत हो गई और एक पुरुष की हालत गंभीर बनी हुई है. घटना की सूचना मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गईं. बताया जा रहा है कि दमकल की सात गाड़ियों ने आग पर काबू पाया.

इमारत में धुआं भर गया और दमकलकर्मी राहत व बचाव कार्य में काफी मशक्कत हुई. आग बुझाने में 7 फायर इंजन, 3 जंबो टैंकर, 2 वॉटर टैंकर, 1 ब्रीदिंग अपरेटस वैन, 1 हाई प्रेशर पंप, 1 ऑटोमेटिक लैडर प्लेटफॉर्म, 1 टर्नटेबल लैडर, 1 हाई राइज फायर फाइटिंग व्हीकल और 1 क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल मौजूद हैं. जानकारी के मुताबिक, आग दोपहर करीब 3 बजे दहिसर पूर्व के शांति नगर स्थित न्यू जन कल्याण सोसाइटी की बी विंग की सातवीं मंज़िल पर लगी।

घटना की खबर मिलते ही लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर सात दमकल गाड़ियां पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग को आखिरकार शाम 6:10 बजे काबू में किया गया। इस हादसे में फायर ब्रिगेड ने महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सहित 36 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान रोहित अस्पताल में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक दिव्यांग लड़की की हालत गंभीर बनी हुई है। इसके अलावा पाँच अन्य लोगों का इलाज चल रहा है।

कई लोगों की हालत गंभीर

मुंबई के दहिसर हादसे में कई लोगों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। नॉर्दर्न केयर अस्पताल में चार साल का एक बच्चा जिंदगी के लिए जूझ रहा है। इसके अलावा, एक व्यक्ति को प्रगति अस्पताल और दूसरे को शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाए गए कई लोगों की तबीयत अभी भी नाज़ुक बताई जा रही है। फायर ब्रिगेड की शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग की शुरुआत बेसमेंट से हुई, जहां बिजली के तारों में खराबी थी। बताया जा रहा है कि आग बिजली की नली से होते हुए ऊपर की मंज़िलों तक फैल गई, जिससे हालात बिगड़ते चले गए।

जहरीली गैस से पीथमपुर की एक तेल कंपनी में 3 की मौत

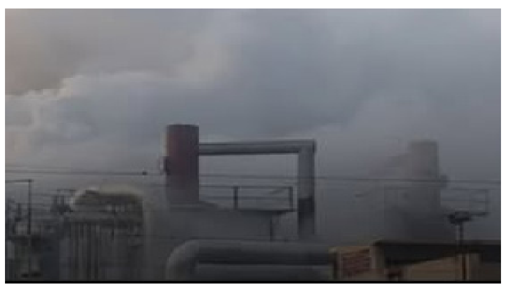

धार/इंदौर.

जिले से सटे पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में रविवार देर शाम बड़ा हादसा हो गया. ऑयल कंपनी के प्लांट में केमिकल टैंक की सफाई कर रहे 3 मजदूर जहरीली गैस की चपेट में आने से बेहोश हो गए. उन्हें इंदौर से एमवाय अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद से हड़कंप मचा हुआ है. इस हादसे की जांच के आदेश प्रशासन ने दे दिए हैं. बताया जा रहा है कि कुछ अन्य कर्मचारी भी गैस के कारण प्रभावित हुए. हादसे में जान गंवाने वाले कर्मचारियों की पहचान सुनील, दीपक और जगदीश के रूप में हुई है. डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचते ही तीनों को मृत घोषित कर दिया. मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है.

हादसे की खबर फैलते ही पीथमपुर क्षेत्र में हड़कंप मच गया. गैस लीक की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे. तत्काल कंपनी परिसर को खाली कराया गया और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया. दमकल विभाग और सुरक्षा दल ने क्षेत्र को सील कर आगे की जांच शुरू कर दी है. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा तकनीकी खराबी की वजह से हुआ, लेकिन अधिकारी सभी एंगल से मामले की पड़ताल कर रहे हैं. पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में पहले भी कई हादसे सामने आ चुके हैं. लगातार हो रहे हादसे औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि कंपनियों में सेफ्टी स्टैंडर्ड का पालन सख्ती से नहीं किया जाता. मजदूरों की सुरक्षा अक्सर लापरवाही का शिकार होती है. इस घटना ने एक बार फिर प्रशासन और उद्योग विभाग की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है. कंपनी प्रबंधन से भी जवाब तलब किया जाएगा. यदि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाई गई तो जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई होगी. इधर, जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने और घायलों के इलाज की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है. यह हादसा न केवल पीथमपुर, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए चेतावनी है कि औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों को लेकर और कड़े कदम उठाने की जरूरत है.

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान 4 लोग डूबे, 13 लापता

मुंबई.

महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में गणेश उत्सव के समापन के बाद मूर्तियों के विसर्जन के दौरान कम से कम चार लोग डूब गए और 13 अन्य लापता हो गए. इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पुणे जिले के चाकन क्षेत्र में तीन अलग-अलग घटनाओं में चार लोग अलग-अलग जलाशयों में बह गए. उन्होंने कहा कि दो लोग वाकी खुर्द में भामा नदी में और एक शेल पिंपलगांव में बह गया और एक अन्य व्यक्ति पुणे ग्रामीण के बिरवाड़ी में एक कुएं में गिर गया. अधिकारी ने बताया कि

चार लोगों में से दो के शव अब तक बरामद कर लिए गए हैं तथा अन्य दो की तलाश जारी है. नांदेड़ जिले के गडेगांव में एक नदी में तीन लोग बह गए. पुलिस ने बताया कि बाद में एक व्यक्ति को बचा लिया गया और अन्य दो की तलाश जारी है. उन्होंने बताया कि नासिक में चार लोग इसी तरह की त्रासदी का शिकार हुए और उनमें से एक का शव सिन्नार में बरामद किया गया. पुलिस ने कहा कि जलगांव में अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग बह गए और उनका पता लगाने के प्रयास जारी हैं. वहीं ठाणे जिले में मूर्ति विसर्जन के दौरान तीन लोग बह गए और अब तक एक शव बरामद किया गया है. पुलिस के अनुसार, एक अन्य घटना में, अमरावती में विसर्जन के दौरान एक व्यक्ति के डूबने की आशंका है. अधिकारियों ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के कारण नदियां, झील और अन्य जल निकाय उफान पर हैं, जिसके कारण राज्य आपदा मोचन दल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को तैनात किया गया है.

उत्तर-पश्चिमी तुर्की में 4.9 तीव्रता का भूकंप

अंकारा. तुर्किये में इससे पहले भी भूकंप के झटके आते रहे हैं। इससे देश को खासा नुकसान भी हुआ है। अगस्त के महीने में भी भूकंप के चलते कई इमारतें गिर गई थीं। तुर्किये में साल 2023 में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 53,000 से अधिक लोग मारे गए थे। तुर्किये के उत्तर-पश्चिमी प्रांत बालिकेसिर में 10 अगस्त को 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे करीब एक दर्जन इमारतें ढह गईं थीं। इन इमारतों के ढहने से इनके मलबे में कम से कम दो लोग फंस गए थे। भूकंप का केंद्र सिंदिरगी था और इसके झटके लगभग 200 किलोमीटर दूर इस्तांबुल शहर तक महसूस किये गये, जहां की आबादी 1.6 करोड़ से अधिक है।

सिंदिरगी के महापौर सेरकन साक ने तुर्किये के सामचार पत्र 'हैबरटर्क' को बताया कि कस्बे में भूकंप के कारण कई इमारतें ढह गई हैं और यहां से चार लोगों को बचा लिया गया है, जबकि बचावकर्मी दो अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पास के गोलकुक गांव में भी कई घर ढह गए। गांव में एक मस्जिद की मीनार भी गिर गई। तुर्किये की आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि भूकंप के बाद कई कम तीव्रता के झटके महसूस किये गये, जिनमें से एक की तीव्रता 4.6 थी। एजेंसी ने नागरिकों से क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश न करने का आग्रह किया। तुर्किये भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

कीव पर रूसी ड्रोन अटैक में 2 लोगों की मौत, 11 घायल

कीव. यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने एक और प्रलयकारी हमला किया है। रूस ने रविवार रात यूक्रेन पर 805 ड्रोन और विस्मयकारी हथियारों (डिकॉयज़) से हमला किया। रूस के इस भीषण ड्रोन और मिसाइल हमले में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 11 अन्य घायल हो गए। इस हमले में कीव की कैबिनेट बिल्डिंग भी तबाह हो गई है। इसके साथ कई अन्य सरकारी इमारतें भी धराशाई हो गई हैं। यह हमला इतना भयानक था कि कीव दहल उठा है। इससे लोगों में जबरदस्त दहशत का माहौल है। बदले में यूक्रेन ने रूस की गैस पाइपलाइन उड़ाने का दावा किया है। यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर शुरू हुए युद्ध के बाद यह रूस सेना द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला है। यूक्रेन की वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनात ने एसोसिएटेड प्रेस को पुष्टि की कि रविवार का हमला रूसी ड्रोन का अब तक का सबसे बड़ा हमला था। रूस ने इसके साथ 13 विभिन्न प्रकार की मिसाइलें भी दागीं। वायु सेना के एक बयान के अनुसार, यूक्रेन ने 747 ड्रोन और चार मिसाइलों को मार गिराया या निष्क्रिय कर दिया। यूक्रेन भर में 37 स्थानों पर 9 मिसाइल हमले और 56 ड्रोन हमले हुए। गिराए गए ड्रोन और मिसाइलों का मलबा 8 स्थानों पर गिरा। हमला इतना अधिक भयानक था कि गगनचुंबी इमारतें भी ढह गईं। कई इमारतों से आग की ऊंची लपटें और काला धुआं उठता दिख रहा है। यूक्रेनी अधिकारियों ने रविवार को बताया कि मृतकों में एक साल का मासूम बच्चा भी शामिल है.

लालबागचा राजा की मूर्ति गिरगांव-चौपाटी के पास अरब सागर में की गई विसर्जित

मुंबई. मुंबई में लालबागचा राजा की मूर्ति का विसर्जन पिछले 9 घंटे से टल रहा है। अब लालबागचा राजा सर्वजीवन गणेश मंडल की तरफ से बडा अपडेट सामने आया है। मंडल के मानद सचिव सुधीर साल्वी ने बताया है कि लालबाग के राजा का विसर्जन अब रविवार रात 10:30 से 11 बजे के बीच होगा। दरअसल आज सुबह से ही लालबागचा राजा की मूर्ति को राफ्ट पर स्थापित करने के प्रयास शुरू हो गए थे। लेकिन समुद्र में हाइटाइड आ गया था। इस वजह से लालबागचा राजा का विसर्जन टल गया।

मंडल के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने दिन भर मूर्ति को राफ्ट पर चढ़ाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। आखिरकार आज शाम करीब 5 बजे पानी कम हुआ और मंडल के कार्यकर्ता मूर्ति को राफ्ट पर चढ़ाने में कामयाब हो गए। लेकिन अब बताया जा रहा है कि लालबाग के राजा के विसर्जन के लिए उन्हें कुछ घंटे और इंतजार करना होगा। हालांकि मंडल की तरफ से दावा किया जा रहा है कि चंद्रग्रहण शुरू होने से पहले लालबाग के राजा का विसर्जन हो जाएगा। दरअसल रविवार रात 11 बजे से चंद्रग्रहण शुरू होगा, जो कि रात 1 बजकर 26 मिनट पर चलेगा। आमतौर पर लालबागचा राजा की प्रतिमा को सुबह नौ बजे से पहले दक्षिण मुंबई में गिरगांव चौपाटी के पास अरब सागर में विसर्जित कर दिया जाता है। शनिवार दोपहर लालबाग से भव्य विसर्जन यात्रा शुरू होने के करीब 28 घंटे बाद तथा कई असफल प्रयासों के बाद उसे एक 'राफ्ट' पर पहुंचाया गया। सुबह के असफल प्रयासों के कारण लालबागचा राजा सार्वजनिक उत्सव मंडल के पदाधिकारियों और मौके पर मौजूद अधिकारियों ने सावधानी बरतने का निर्णय लिया और सुबह 11:40 बजे 4.42 मीटर ऊंची लहरों के कम होने का इंतजार किया। एक अधिकारी ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच सैकड़ों स्वयंसेवियों और मछुआरों की मदद से प्रतिमा को

अंततः शाम 4:45 बजे उसके प्लेटफॉर्म से हटाकर एक नवनिर्मित राफ्ट पर रखा गया। लालबागचा राजा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल के मानद सचिव सुधीर सलावी ने संवाददाताओं को बताया कि ज्वार अपेक्षित समय से पहले ही आ गया था, जबकि विसर्जन यात्रा के तहत प्रतिमा निर्धारित समय से 10 से 15 मिनट देरी से वहां पहुंची। उन्होंने कहा कि हमने शुरुआत में प्रतिमा को विसर्जित करने का प्रयास किया, लेकिन जल्द ही हमें एहसास हुआ कि यह ठीक से नहीं हो पा रहा है, इसलिए हमने रुकने का फैसला किया। स्थानीय मछुआरों ने हमें बताया कि अगले हाइटाइड के दौरान, जो रात 11 बजे के आसपास आने की उम्मीद है, राफ्ट बखूबी संचालित होगा। विसर्जन की अंतिम प्रक्रिया उसी समय की जाएगी।

पीएम कल पंजाब के बाढ़ प्रभावित गुरदासपुर जिले का करेंगे दौरा

चंडीगढ.

पंजाब के ज्यादातर जिले इन दिनों बाढ़ से प्रभावित हैं। ऐसे में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अब पीएम मोदी बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा करने वाले हैं। इस बीच सबसे पहले पीएम मोदी पंजाब राज्य का दौरा करेंगे। पीएम मोदी कल 9 सितंबर को पंजाब के गुरदासपुर जाएंगे। पंजाब भाजपा की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है। पार्टी की ओर से एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 9 सितंबर को पंजाब के गुरदासपुर आ रहे हैं।" इसके अलावा पंजाब बीजेपी के एक्स अकाउंट पर पीएम मोदी के दौरे से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी भी दी गई। इस पोस्ट में आगे लिखा गया, "वे (मोदी) बाढ़ प्रभावित भाई-बहनों और किसानों से सीधे मुलाकात कर उनका दुख साझा करेंगे और पीड़ितों की मदद के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा साबित करता है कि केंद्र की भाजपा सरकार हमेशा पंजाब के लोगों के साथ खड़ी है और इस कठिन समय में पूरा सहयोग प्रदान करेगी। पंजाब के अलावा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी इनमें से कुछ क्षेत्रों का दौरा करेंगे और हालात का जायजा लेंगे। उनका दौरा ऐसे वक्त हो रहा है जब कुछ राज्य सरकारों ने संकट से निपटने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता की मांग की है। इससे पहले गुरुवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के अमृतसर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। अमृतसर में उन्होंने कहा कि बाढ़ से उत्पन्न स्थिति का आकलन करने के लिए दो केंद्रीय दल भी पंजाब का दौरा कर रहे हैं और वे केंद्र को एक रिपोर्ट सौंपेंगे। अमृतसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए चौहान ने कहा कि देश और मानवता की सेवा में पंजाबी हमेशा सबसे आगे रहे हैं।

चंद्र ग्रहण का अनोखा नजारा

नई दिल्ली.

साल का दूसरा और आखिरी चंद्रग्रहण शुरू हो गया है। यह पूर्ण ग्रहण यानी ब्लड मून होगा और इसे भारत में कहीं से भी देख सकते हैं। साल 2022 के बाद भारत में दिखने वाला यह सबसे लंबा पूर्ण चंद्रग्रहण है। चंद्रग्रहण रात 9:56 बजे शुरू हुआ, जो 3 घंटे 28 मिनट तक चलेगा। इसमें से 82 मिनट पूर्ण चंद्रग्रहण रहेगा। इस दौरान पृथ्वी सूर्य और चांद के बीच आ जाएगी, जिससे चांद पर उसकी छाया पड़ेगी और चांद लाल-नारंगी रंग का दिखाई देगा। इसे ही ब्लड मून कहा जाता है। यह 27 जुलाई, 2018 के बाद पहली बार है जब ग्रहण को देश के

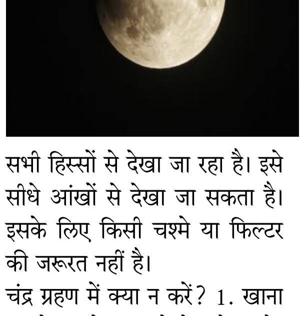

सभी हिस्सों से देखा जा रहा है। इसे सीधे आंखों से देखा जा सकता है। इसके लिए किसी चश्मे या फिल्टर की जरूरत नहीं है।

चंद्र ग्रहण में क्या न करें? 1. खाना पकाने या भोजन करने से परहेज करें. 2. शुभ कार्य, धार्मिक अनुष्ठान या किसी नए काम की शुरुआत न करें. 3. भगवान की मूर्तियों का स्पर्श न करें. 4. गर्भवती महिलाएं सब्जी न काटें. तड़का, छोंका न लगाएं. चाकू, कैंची, सुई आदि का इस्तेमाल न करें. 5. बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं घर से बाहर न जाएं. सुनसान जगहों से सख्त परहेज करें. - चंद्र ग्रहण में क्या करें? 1. मंत्र साधना, भजन और ध्यान करके ग्रहण की नकारात्मक ऊर्जा से बचा जा सकता है. 2. चंद्र ग्रहण शुरू होने से पहले और समाप्त होने के बाद स्नान जरूर करें. 3. ग्रहण के बाद गरीब लोगों को अन्न, वस्त्र आदि का दान करें. आप चावल, चीनी, दूध, घी, वस्त्र या धन का दान कर सकते हैं. 4. ग्रहण के बाद घर में गंगाजल का छिड़काव करें. ताकि ग्रहण की नकारात्मकता को नष्ट किया जा सके. चंद्रग्रहण कितनी तरह के होते हैं, चंद्रग्रहण आम तौर पर 3 तरह के होते हैं।

इन्हें पूर्ण, आंशिक और उपछाया चंद्रग्रहण कहा जाता है। इनमें से हर तरह के ग्रहण के लिए अलग खगोलीय स्थिति जिम्मेदार है. पूर्ण चंद्रग्रहण पूर्ण चंद्रग्रहण या ब्लड मून तब होता है जब पृथ्वी, सूर्य तथा चंद्रमा एक सीधी रेखा में होते हैं। इसके कारण पृथ्वी की छाया पूरी तरह से चंद्रमा को ढंक लेती है, जिससे चंद्रमा पर पूरी तरह से अंधेरा छा जाता है। आंशिक चंद्रग्रहण जब पृथ्वी की परछाई चंद्रमा के पूरे भाग को ढंकने की बजाय किसी एक हिस्से को ही ढंके, तब आंशिक चंद्रग्रहण होता है।

इस दौरान चंद्रमा के एक छोटे हिस्से पर ही अंधेरा होता है। उपछाया चंद्रग्रहण उपछाया चंद्रग्रहण तब होता है जब पृथ्वी की छाया चंद्रमा के बाहरी भाग पर पड़ती है। इस तरह के चंद्रग्रहण को देखना मुश्किल होता है। कहीं पूर्ण और कहीं आंशिक चंद्रग्रहण की वजह क्या है. इसकी वजह चंद्रमा पर पड़ने वाली पृथ्वी की छाया है।

यह छाया दो तरह की होती है। पृथ्वी के जिस हिस्से से चांद पूर्ण छाया में हो तो पूर्ण चंद्रग्रहण और आंशिक छाया में हो तो आंशिक चंद्रग्रहण दिखाई देता है। पहली: पूर्ण छाया- जब चांद पूरी तरह से पृथ्वी की गहरी छाया में चला जाता है, तब वहां से पूर्ण चंद्रग्रहण दिखाई देता है। दूसरी: आंशिक छाया-जब चांद सिर्फ हल्की छाया से ढकता है, तब वहां से आंशिक चंद्रग्रहण दिखाई देता है।

1 साल में कितनी बार चंद्रग्रहण लग सकता है

❍ नासा के मुताबिक, एक साल में ज्यादातर 2 बार चंद्रग्रहण होता है। किसी साल चंद्रग्रहण लगने की संख्या 3 भी हो सकती है। सैकड़ों साल में लगने वाले कुल चंद्रग्रहणों में से लगभग 29% चंद्रग्रहण पूर्ण होते हैं। औसतन, किसी एक स्थान से हर 2.5 साल में पूर्ण चंद्रग्रहण देखा जा सकता है। चंद्रग्रहण 30 मिनट से लेकर एक घंटे के लिए लगता है।

यमन ने इजरायल पर ड्रोन से किए ताबड़तोड़ हमले

सना. यमन में सक्रिय ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर इज़राइल पर बड़ा हमला किया है। रविवार को हुए इस हमले में हूतियों ने कई ड्रोनों के ज़रिये इज़राइल के दक्षिणी हिस्से को निशाना बनाया। सबसे बड़ा हमला रेमन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुआ, जो मशहूर पर्यटक शहर ईलाट के पास स्थित है। इस हमले से एयरपोर्ट की खिड़कियों के शीशे टूट गए और यात्रियों में अफरातफरी मच गई। इज़राइली सेना ने दावा किया कि अधिकतर ड्रोन को देश की सीमाओं से बाहर ही मार गिराए गए, लेकिन एक ड्रोन इज़राइल की बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा को पार कर गया और सीधे एयरपोर्ट पर टकरा गया। हमले के बाद कुछ देर के लिए हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया और उड़ानों के मार्ग बदल दिए गए। हालांकि इस एयरपोर्ट को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ और कुछ ही घंटों में सेवाएं फिर से शुरू हो गईं, लेकिन इस हमले ने इज़राइल की हवाई सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। केवल एक व्यक्ति को हल्की चोटें आईं, लेकिन हूतियों ने इस हमले को "एक सफल सैन्य ऑपरेशन" बताया। यह हमला ऐसे समय पर हुआ जब कुछ ही दिन पहले इज़राइली हमले में हूती प्रधानमंत्री और कई शीर्ष नेता मारे गए थे।

CMYK

ऑनलाइन फूड ऑर्डर करना होगा महंगा

फेस्टिव सीजन से पहले बड़ा झटका

नई दिल्ली.

फेस्टिव सीजन से पहले जोमैटो, स्विगी और मैजिकपिन जैसे ऑनलाइन फूड एग्रीगेटर्स ने आम लोगों को बड़ा झटका दे दिया है. इन प्लेटफॉर्म्स ने प्लेटफॉर्म फीस महंगा करने का ऐलान कर दिया है. जिसके बाद देशभर के लाखों लोगों के लिए ऑनलाइन खाना ऑर्डर करना महंगा हो जाएगा. 22 सितंबर से डिलिवरी चार्ज पर 18 फीसदी जीएसटी लगने के कारण यह और भी बढ़ सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि इस कंपनी की ओर से प्लेटफॉर्म फीस में कितना इजाफा किया है.

स्विगी ने चुनिंदा बाजारों में अपना प्लेटफॉर्म चार्ज जीएसटी सहित 15 रुपए कर दिया है. प्रतिद्वंद्वी जोमैटो ने अपना शुल्क बढ़ाकर 12.50 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) कर दिया है, जबकि तीसरी सबसे बड़ी खाने की डिलिवरी करने वाली कंपनी मैजिकपिन ने भी व्यापक उद्योग रुझानों के अनुरूप, अपना मंच शुल्क संशोधित करके 10 रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है. माना जा रहा है कि 22 सितंबर से डिलिवरी शुल्क पर लगाए जाने वाले 18 फीसदी जीएसटी के कारण जोमैटो यूजर्स के लिए प्रति ऑर्डर लगभग दो रुपये और स्विगी ग्राहकों के लिए 2.6 रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा. अभी तक इस बारे में स्विगी और जोमैटो की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है.

मैजिकपिन के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी पहले से ही अपने फूड डिस्ट्रीब्यूशन कॉस्ट पर 18 फीसदी जीएसटी का भुगतान कर रही है. प्रवक्ता ने आगे कहा कि जीएसटी में हालिया बदलाव हमारी कॉस्ट स्ट्रक्चर को प्रभावित नहीं करती हैं. इसलिए, यूजर्स पर जीएसटी वृद्धि का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा. हमारा मंच शुल्क 10 रुपए प्रति ऑर्डर ही रहेगा, जो प्रमुख खाद्य वितरण कंपनियों में सबसे कम है. हाल के दिनों में मंच शुल्क खाद्य वितरण कंपनियों के लिए राजस्व का एक अतिरिक्त स्रोत बनकर उभरा है. जोमैटो, स्विगी और मैजिकपिन द्वारा एक साथ की गई बढ़ोतरी भारत के खाद्य वितरण क्षेत्र में बढ़ती लागत के बढ़ते रुझान को रेखांकित करती है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या लाखों ग्राहकों के लिए सामर्थ्य और सुविधा अब भी साथ-साथ चल सकती है.

20 लाख करोड़ का फायदा देगा नया जीएसटी रिफॉर्म

नई दिल्ली. जीएसटी रिफॉर्म हो चुका है. अब देश में आम लोगों के लिए सिर्फ दो ही जीएसटी स्लैब होंगी. पहली स्लैब 5 फीसदी की होगी दूसरी स्लैब 18 फीसदी की भी होगी. वैसे एक अतिरिक्त स्लैब 40 फीसदी की भी रखी गई है. जिसमें सिन प्रोडक्ट्स, लग्जरी और प्रीमियम आइटम्स को रखा गया है. वैसे आम लोगों को फायदे के साथ ये भी बात सामने आई कि सरकार को करीब 48 हजार करोड़ रुपए के रेवेन्यू का नुकसान होगा. लेकिन अभी तक किसी ने इस बात की जानकारी नहीं दी थी कि देश की इकोनॉमी को कितना फायदा या नुकसान होगा?

देश ने सेमीकंडक्टर सेक्टर में लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली. देश के केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए कहा कि मेड इन इंडिया चिप्स का इस्तेमाल करने वाले टेलीकॉम सिस्टम ने स्टैंडर्ड्स और क्वालिटी टेस्ट पास कर लिया है. जिसके बाद टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग सेंटर से सर्टिफिकेशन भी हासिल कर लिया है. जिसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है. आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल X पर इसे भारत के सेमीकंडक्टर हिस्ट्री में एक बड़ी छलांग बताया. उन्होंने कहा की मंजूरी साबित करती है कि भारत में डिजाइन और निर्मित चिप्स अब जटिल टेलीकॉम सिस्टम्स को शक्ति प्रदान करने और इंटरनेशनल क्वालिटी

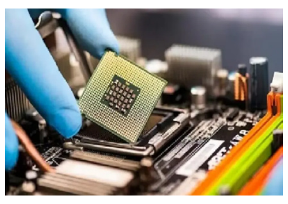

स्टैंडर्ड को पूरा करने में सक्षम हैं. टीईसी सर्टिफिकेशन केवल एक रेगुलेटरी मुहर से कहीं अधिक है. यह टेलीकॉम डिपार्टमेंट का आधिकारिक आश्वासन है कि कोई उत्पाद कड़े टेस्ट और सेफ्टी स्टैंडर्ड को पूरा करता है. टेलीकॉम कंपोनेंट्स के लिए, जो भारत की डिजिटल इकोनॉमी की रीढ़ हैं, यह महत्वपूर्ण है. सर्टिफिकेशन मिलने के बाद भारत दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले में खड़ा हो सकेगा. साथ ही सेमीकंडक्टर चिप्स को घरेलू लेवल पर तो सप्लाई किया ही जाएगा. साथ ही दुनिया के बाकी देशों में भी एक्सपोर्ट के रास्ते तैयार होंगे. वर्षों से, भारत स्मार्टफोन और टेलीकॉम टॉवर्स से लेकर कारों और डाटा सेंटर्स तक, हर चीज के ऑपरेशन के लिए इंपोर्टेड चिप्स पर बहुत अधिक निर्भर रहा है. टीईसी की मंजूरी इस निर्भरता को कम करने की दिशा में एक कदम है. यह सरकार के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत लक्ष्यों, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर के सेक्टर में, की प्रगति का भी संकेत देता है. हालाँकि भारत ने अभी तक एडवांस फैक्टरी चालू नहीं की है, फिर भी वह चिप डिजाइन, असेंबली और टेस्टिंग में लगातार क्षमता निर्माण कर रहा है. वर्तमान में, 28एनएम से 65एनएम रेंज में मैच्योर नोड्स के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जो अत्याधुनिक तो नहीं हैं, लेकिन टेलीकॉम, ऑटोमोटिव और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए अपरिहार्य हैं. ग्लोबल कंपनियां एआई और स्मार्टफ़ोन में इस्तेमाल होने वाले सब-5 एनएम चिप्स में महारत हासिल करने की होड़ में लगी हैं. हालांकि, भारत एक अलग रास्ता अपना रहा है. मैच्योर नोड्स पर ध्यान केंद्रित करके, वह सप्लाई चेन में उस कमी को दूर करने का प्रयास कर रहा है जो हाल ही में आई कमी के दौरान सामने आई है.

एक हफ्ते में एफपीआई ने निकाले हजारों करोड़

नई दिल्ली.

एपल ने भारत में धमाकेदार रिकॉर्ड बनाया है. वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी की सालाना सेल्स करीब 9 बिलियन डॉलर यानी करीब 80 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई. लोगों ने एपल के फ्लैगशिप प्रोडक्ट्स को काफी पसंद किया है. इसके प्रीमियम डिवाइसेज, खासकर आईफोन को लोग जमकर खरीद रहे हैं. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2025 तक एपल का रेवेन्यू 13% बढ़ा, जो पिछले साल 8 बिलियन डॉलर था.

इस ग्रोथ का सबसे बड़ा हिस्सा आईफोन की सेल्स से आया. आईडीसी की रिपोर्ट कहती है कि 2025 की पहली छमाही में एपल ने भारत में 59 लाख यूनिट्स शिप किए, जो पिछले साल से 21.5% ज्यादा है. आईफोन 16 इस दौरान सबसे ज्यादा शिप होने वाला मॉडल रहा. भारत में कुल स्मार्टफोन मार्केट ने भी 7 करोड़ यूनिट्स शिप किए, जिसमें दूसरी तिमाही में 7.3% की ग्रोथ देखी गई. दुनियाभर में स्मार्टफोन सेल्स में स्लोडाउन के बावजूद एपल भारत में चमक रहा है.

चीन, जो एपल का बड़ा मार्केट और मैन्युफैक्चरिंग हब है, वहां क्सिओमी जैसे लोकल ब्रांड्स से टक्कर और अनिश्चितता है. फिर भी, अप्रैल-जून 2025 में चीन में एपल का रेवेन्यू 4.4% बढ़ा, जो दो साल में पहली बार हुआ. वहीं, एप्पल भारत में अपने रिटेल बिजनेस को भी तेजी से बढ़ा रही है. हाल ही में बेंगलुरु और पुणे में नए स्टोर खोले गए और 2026 में नोएडा और मुंबई में भी नए स्टोर खुलने वाले हैं. भारत की पॉलिसी के तहत, विदेशी ब्रांड्स को 30% प्रोडक्ट्स लोकली सोर्स करने होते हैं. साल 2020 में एपल ने भारत में पहला ऑनलाइन स्टोर लॉन्च किया और 2023 में सीईओ टिम कुक ने मुंबई और दिल्ली में दो फिजिकल स्टोर खोले. एप्पल अब भारत में मैन्युफैक्चरिंग को भी बड़ा रहा है. करीब हर पांचवां आईफोन अब भारत में बनता है. कंपनी अपने पांच भारतीय कारखानों में प्रोडक्शन बढ़ा रही है, ताकि चीन पर डिपेंडेंसी कम की जा सके. यूएस और चीन के बीच ट्रेड वॉर से भी एपल को फायदा हो रहा है. कंपनी 2.5 बिलियन डॉलर खर्च करके भारत में आईफोन प्रोडक्शन को 40 मिलियन से बढ़ाकर 60 मिलियन यूनिट्स सालाना करने की प्लानिंग कर रही है. हालांकि, यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने एपल को अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग करने या टैरिफ झेलने की चेतावनी दी है, लेकिन एप्पल ने भारत सरकार को भरोसा दिया है कि वो अपने इंडिया एक्सपैंशन को धीमा नहीं करेगा.

आईटीआर डेडलाइन उठाने की मांग तेज

टैक्स एक्सपट्र्स और सीए फर्म्स ने बढ़ाई आवाज

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर फाइल करने की तारीख को बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 कर दिया. इस तारीख को और आगे बढ़ने के लिए टैक्स एक्सपर्ट और सीए फर्म मांग कर रही हैं. उनका कहना है कि तकनीकी दिक्कतें, फॉर्म में बार-बार बदलाव और पोर्टल की गड़बड़ियों की वजह से देरी हो रही है.

फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एसोसिएशन, सूरत ने सरकार से आकलन वर्ष 2025-2026 के लिए आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने को कहा है. इनका कहना है कि लोगों को तकनीकी समस्याओं और फॉर्म में बदलावों की वजह से काफी परेशानी हो रही है, जिससे आईटीआर दाखिल करने में देरी हो रही है.

7 कंपनियों ने जोड़े एक लाख करोड़ से ज्यादा

नई दिल्ली. पिछले हफ्ते देश की 7 दिग्गजों का कंपनियों का जलवा देखने को मिला. देश की टॉप 10 कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में ज्वाइंटली 1,06,250.95 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला. जिसमें सबसे ज्यादा कमाई बजाज फाइनेंस और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की हुई. वैसे एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एलआईसी को भी बड़ा फायदा हुआ है.

वहीं दूसरी ओर तीन कंपनियां ऐसी भी रहीं जिन्हें के मार्केट कैप से ज्वाइंटली 29,731.4 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है. जिसमें टीसीएस, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल है. जानकारों की मानें तो जीएसटी रिफॉर्म के बाद कई एफएमसीजी और ऑटो कंपनियों को फायदा होता हुआ दिखाई दे सकता है. अगर बात पिछले हफ्ते शेयर बाजार की करें तो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में 901.11 अंक यानी 1.12 फीसदी का उछाल देखने को मिला. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 में 314.15 अंक यानी 1.28 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली. वैसे पिछले हफ्ते मार्केट कैप में हुए बदलाव के बाद भी रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक मूल्यवान कंपनी रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी का स्थान रहा. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस कंपनी के मार्केट कैप में इजाफा देखने को मिला है और किस कंपनी को कितना नुकसान हुआ है. देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 23,343.51 करोड़ रुपए बढ़कर 18,59,767.71 करोड़ रुपए हो गया. देश का सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 17,580.42 करोड़ रुपए बढ़कर 14,78,444.32 करोड़ रुपए हो गया.

भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों की बड़ी वापसी

नई दिल्ली.

ग्लोबल टेंशन के माहौल में निवेशक लगातार भारतीय शेयर बाजार से बिकवाली कर रहे हैं. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों से 12,257 करोड़ रुपये निकाले हैं. डॉलर में मजबूती, अमेरिकी टैरिफ चिंताओं के बीच एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं. इससे पहले फॉरेन इंवेस्टर्स ने अगस्त में शेयरों से 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले थे.

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार,

इसके साथ ही, 2025 में अबतक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शेयरों से कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं. एंजल वन के सीनियर एनालिस्ट वकारजावेद खान ने कहा कि अगले हफ्ते एफपीआई, विदेशी निवेशकों का पैसा भारतीय बाजार में आएगा या नहीं, ये अमेरिकी फेडरल रिजर्व की टिप्पणियों, अमेरिकी जॉब मार्केट के डेटा, आरबीआई की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और रुपये की स्थिरता पर निर्भर करेगा. मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के असोसिएट डायरेक्टर हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि शॉर्ट टर्म में मार्केट में उतार-चढ़ाव रह सकता है, लेकिन भारत की ग्रोथ स्टोरी, जीएसटी जैसे पॉलिसी रिफॉर्म्स और कंपनियों की कमाई में सुधार की उम्मीदें एफपीआई को फिर से भारतीय बाजार की ओर खींच सकती हैं. हालांकि, इसके लिए जरूरी है अभी दुनिया में चल रही ग्लोबल अनिश्चितता कम हो जाए. मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ग्लोबल और लोकल फैक्टर्स की वजह से हाल में एफपीआई ने पैसा निकाला है.

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी के विजयकुमार ने कहा कि डीआईआई की लगातार खरीदारी की वजह से एफपीआई हाई वैल्यूएशन पर मुनाफा वसूल कर रहे हैं और चीन, हॉन्गकॉन्ग, साउथ कोरिया जैसे सस्ते मार्केट्स में पैसा लगा रहे हैं. डेटा के मुताबिक, एफपीआई ने इस दौरान बॉन्ड मार्केट में 1,978 करोड़ रुपये का निवेश किया, लेकिन वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 993 करोड़ रुपये निकाले. भारतीय शेयर बाजार में इन दिनों बड़ी अनसर्टेनिटी देखने को मिल रही है.

विदेशी निवेश जहां एक ओर पैसा निकाल रहे हैं वहीं, दूसरी ओर भारतीय निवेश बाजार में पैसा डाल भी रहे हैं. अगर बात आखिरी ट्रेडिंग दिन की करें, तो मार्केट मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ. बाजार का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 7.25 अंक टूटकर 80,710.76 पर बंद हुआ.

टोयोटा की कारें हुईं 3.49 लाख तक सस्ती

नई दिल्ली. जीएसटी रिफॉर्म के तहत छोड़ी और बड़ी गाड़ियों की कीमतें काफी कम होने जा रही है. 22 सितंबर से नई दरें लागू हो जाएंगी. वैसे कई कंपनियों ने अपनी गाड़ियों प्रस्तावित कीमतें जारी कर दी हैं. जिसमें कई छोटी और बड़ी गाड़ियों की कीमतें कम होने की बात कही गई है. अब बड़ी कारें बनाने वाली टोयोटा की ओर से प्रस्तावित कीमतें जारी की गई हैं. कंपनी के अनुसार टोयोटा की कारें 3.49 लाख रुपए तक सस्ती हो सकती हैं. कंपनी ने अपनी सभी मॉडल की कारों के दाम में कटौती करने का प्रस्ताव किया है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर टोयोटा की कौन सी कार कितनी सस्ती होने जा रही है. जीएसटी रिफॉर्म के बाद टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने शनिवार को कहा कि वह जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपने वाहनों की कीमतों में 3.49 लाख रुपए तक की कटौती कर रही है. संशोधित कीमतें 22 सितंबर, 2025 से लागू होंगी.

गौतम अडानी इस सेक्टर पर बरसाएंगे पैसा

बना लिया 5.30 लाख करोड़ का प्लान

नई दिल्ली.

गौतम अडानी अब हर सेक्टर में अपनी स्थिति को मजबूत करने में जुट गए हैं. यही वजह है कि हर सेक्टर में मोटा निवेश भी कर रहे हैं. अब उन्होंने पॉवर सेक्टर खासकर रिन्युएबल एनर्जी में मोटा निवेश करने का प्लान बनाया है. जानकारी के अनुसार एशिया के सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप वित्त वर्ष 2031-32 तक पॉवर सेक्टर खासकर रिन्युएबल एनर्जी, उत्पादन और

ट्रांसमिशन/डिस्ट्रीब्यूशन में, लगभग 60 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 5.30 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रहा है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर ग्रुप की ओर से किस तरह की जानकारी दी गई है. एक इंवेस्टर प्रेजेंटेशन में अडानी पावर ने कहा कि समूह वित्त वर्ष 2029-30 तक 21 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की योजना बना रहा है ताकि रिन्युएबल एनर्जी क्षमता को 2024-25 के 14.2 गीगावाट से बढ़ाकर 50 गीगावाट तक पहुंचाया जा सके. अडानी समूह की यूनिट अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) यूटिलिटी-स्केल ग्रिड से जुड़ी सोलर और विंड एनर्जी फार्म परियोजनाओं का विकास, निर्माण, स्वामित्व, संचालन और रखरखाव करती है. समूह अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) के माध्यम से पारेषण और वितरण क्षमता के निर्माण में 17 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा. एईएसएल एक बहुआयामी संगठन है जिसकी ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न खंड जैसे विद्युत पारेषण, वितरण, स्मार्ट मीटरिंग और

निकाल — गणेशलक्ष्मी समृद्धी विकली लॉटरी — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — सोडत सायं. 5:00 वाजता

सोडत दर शनिवार • सोडत क्रमांक 36 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 06/09/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — MG-04 : 3656

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 2000/- — 1329 (किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली), 2429 (किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली), 4562, 4657, 6428

तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1331	1702	2354	4616	5059	5211	5486	5710	6889	9568
चौथे बक्षिस रु. 500/-	0447	1422	2828	3115	5317	5831	6140	8517	8997	9307

पाचवे बक्षीस रु. 200/- (सर्व मालिकांसाठी)

0014	0805	1792	2508	3583	4654	5421	6396	7672	8840
0100	0896	1800	2532	3586	4673	5435	6436	7700	8891
0195	0907	1811	2653	3589	4718	5475	6462	7703	8988
0295	0960	1816	2684	3653	4744	5529	6475	7713	9015
0330	1101	1861	2722	3733	4772	5586	6505	7743	9093
0400	1128	1940	2782	3833	4908	5665	6579	7970	9201
0401	1186	2164	2830	3872	5022	5755	6625	8068	9229
0452	1217	2166	3123	3906	5035	5856	6721	8098	9262
0503	1392	2192	3139	4014	5040	6078	6960	8198	9293
0509	1418	2257	3174	4322	5251	6123	6976	8216	9328
0618	1443	2259	3222	4406	5314	6155	7097	8269	9719
0624	1461	2418	3312	4452	5351	6231	7296	8484	9923
0743	1661	2422	3421	4470	5353	6262	7569	8671	9930
0756	1712	2457	3530	4547	5408	6336	7647	8775	9953

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी गणपती विशेष मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.100/- — सोडत दिनांक 16-09-2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹22 लाख पहिले सामायिक बक्षिस — दुसरे बक्षीस ₹3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) — तिसरे बक्षीस ₹5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)
गणेशलक्ष्मी समृद्धी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 06/09/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — गणेशलक्ष्मी वैभव विकली लॉटरी — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — सोडत सायं. 5:00 वाजता

सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 36 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 07/09/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — जिंकले — MG-08 : 2433 — जय जलाराम लॉटरीज् गोरेगाव

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	4015	5054	5338	6403	6468					
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	0402	0768	2436	5180	5397	6382	7358	7364	7888	8429
चौथे बक्षिस रु. 500/-	2470	2933	3994	4388	4949	5675	6529	6557	6646	9542

पाचवे बक्षीस रु. 200/- (सर्व मालिकांसाठी)

0011	0511	1915	2729	4158	5258	6172	7007	8447	9194
0015	0584	1980	2896	4328	5368	6204	7029	8448	9201
0047	0710	2077	3021	4353	5532	6365	7175	8802	9238
0056	0818	2107	3245	4364	5554	6430	7383	8804	9355
0156	0978	2129	3283	4373	5705	6565	7535	8905	9398
0200	1024	2179	3289	4416	5718	6618	7768	8928	9534
0270	1101	2214	3330	4456	5730	6657	7782	8944	9699
0295	1142	2420	3483	4640	5752	6661	7969	8979	9748
0360	1151	2466	3573	4674	5754	6687	8078	8987	9855
0411	1152	2502	3603	4704	5787	6695	8179	9078	9924
0420	1477	2543	3734	4729	5856	6758	8187	9121	9953
0431	1515	2560	3830	4731	5891	6840	8373	9144	9990
0480	1657	2582	3886	4774	6068	6934	8382	9169	9996
0506	1883	2612	4012	5200	6153	6976	8424	9191	9997

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी गणपती विशेष मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.100/- — सोडत दिनांक 16-09-2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹22 लाख पहिले सामायिक बक्षिस — दुसरे बक्षीस ₹3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) — तिसरे बक्षीस ₹5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)
गणेशलक्ष्मी वैभव विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 07/09/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र मोहिनी विकली लॉटरी — सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 36 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 07/09/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — MO-09 : 2683

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 1000/-	1628	1867	2524	2606	2641	2705	3823	3952	4396	5749
तिसरे बक्षिस रु. 500/-	1317	2498	2531	3902	4507	5101	5668	5834	5851	5852

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

1045	2159	2947	3651	5259
1066	2219	3113	3786	5289
1132	2233	3149	4100	5387
1320	2249	3169	4147	5501
1442	2300	3203	4254	5536
1603	2323	3221	4485	5546
1611	2365	3340	4514	5563
1671	2527	3347	4618	5565
1799	2560	3363	4869	5707
1804	2592	3452	4909	5779
1893	2687	3469	4935	5849
2054	2724	3638	5154	5858

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गणपती भव्यतम सोडत — तिकीट किंमत रु. 200/- — सोडत दिनांक 10-09-2025
जिंका फक्त 5 अंकांवर ₹1 करोड पहिले सामायिक हमीपात्र* बक्षीस — दुसरे बक्षिस. 5 लाख (रु. 1 लाखाची 5 बक्षिसे)
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र मोहिनी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 07/09/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी रवि विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 36 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 07/09/2025

पहिले बक्षिस रु. 10,000/- — GL-01 : 1539 — सिराज एन्टरप्रायझेस, नागपूर

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	3088	5153	6030	6238	7837	8058	8527	8655	8797	9663
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	0703	2174	2337	2842	3755	4015	4346	5994	6804	7442
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1613	1655	2257	3092	3106	4203	4583	5001	6451	6720

पाचवे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

पाचवे बक्षिस रु. 300/-	0761	1715	2528	3673	4240	5004	5763	6946	7982	8869
0002	0770	1807	2532	3763	4245	5007	5892	6967	8104	8938
0022	0772	1901	2550	3832	4309	5008	5984	6969	8108	8952
0027	0903	1913	2552	3863	4391	5082	6074	7040	8249	9047
0051	0910	1928	2590	3864	4397	5135	6133	7076	8259	9059
0066	0938	2071	2759	3886	4452	5137	6156	7118	8275	9099
0067	1014	2112	2782	3917	4459	5156	6157	7137	8283	9122
0217	1092	2154	2832	3932	4463	5199	6182	7165	8331	9217
0294	1114	2183	2929	3938	4531	5265	6205	7172	8339	9289
0300	1142	2213	3003	3961	4547	5266	6226	7173	8368	9292
0339	1291	2235	3171	3964	4549	5450	6299	7407	8381	9319
0357	1329	2259	3192	3973	4653	5451	6368	7424	8426	9339
0365	1378	2264	3294	3983	4667	5455	6576	7437	8509	9439
0402	1381	2283	3309	3997	4694	5473	6598	7590	8548	9478
0408	1388	2296	3351	4023	4720	5510	6648	7682	8573	9489
0501	1391	2382	3354	4057	4835	5553	6683	7713	8589	9491
0508	1431	2428	3392	4094	4920	5562	6684	7735	8656	9522
0545	1438	2452	3396	4171	4933	5577	6859	7785	8790	9763
0654	1480	2467	3462	4193	4969	5596	6865	7803	8840	9790
0691	1584	2498	3523	4196	4982	5606	6866	7878	8844	9939
0737	1690	2512	3560	4237	4984	5614	6894	7887	8863	9974

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गणपती भव्यतम सोडत — तिकीट किंमत रु. 200/- — सोडत दिनांक 10-09-2025
जिंका फक्त 5 अंकांवर ₹1 करोड पहिले सामायिक हमीपात्र* बक्षीस — दुसरे बक्षिस. 5 लाख (रु. 1 लाखाची 5 बक्षिसे)
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी रवि विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 07/09/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

गणेश विसर्जन पर करंट से कई लोगों की गई जान

मुंबई.

गणेश उत्सव बड़े ही धूम-धाम के साथ मनाया जाता है. यही कारण है कि यहां का उत्सव देखने को दुनियाभर से लोग आते हैं. हालांकि विसर्जन के दौरान लगभग हर साल हादसों की खबरें भी सामने आती हैं. इस साल भी गणेश विसर्जन के दौरान अलग-अलग जिलों से कई हादसों की खबर सामने आई हैं. कहीं डूबने की घटनाएं हुईं तो कहीं बिजली के करंट की चपेट में आकर भक्तों की जान चली गई. गणेश विसर्जन के दौरान स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ और मछुआरों की मदद से कई लोगों को बचाया गया, लेकिन कई की मौत हो गई और कुछ अब भी लापता हैं. विरार के मारंबळ पाडा जेट्टी पर विसर्जन के दौरान तीन लोग समुद्र की गहराई में फंस गए. मौके पर मौजूद सुवर्णदुर्ग रो-रो सेवा के कर्मचारी और स्थानीय मछुआरों ने स्पीड बोट की मदद से तीनों की जान बचाई. इनमें एक महिला भी शामिल थी.

शहापुर के आसनगांव मुंडेवाड़ी स्थित भारंगी नदी के गणेश घाट पर पांच लोग विसर्जन के दौरान डूब गए. दो को सुरक्षित निकाल लिया गया है. इनमें से प्रतिक मुंढे (24) का शव बरामद हुआ है. दो अन्य की तलाश जारी है. अंधेरा होने की वजह से बचाव कार्य में दिक्कत आ रही हैं. पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर तैनात हैं. साकीनाका के खैरानी रोड स्थित एस. जे. स्टूडियो के पास टाटा पावर की हाई टेंशन लाइन के संपर्क में आने से पांच श्रद्धालु करंट की चपेट में आ गए. इस हादसे में बिनू शिवकुमार की मौके पर ही मौत हो गई. इनमें से चार लोगों का इलाज पैरामाउंट हॉस्पिटल में व एक का सेवन हिल्स हॉस्पिटल में चल रहा है. नांदेड के गाडेगांव शिवार स्थित आसना नदी में विसर्जन के दौरान तीन लोग डूब गए. इन में से एक को बचा लिया गया जबकि बालाजी उबाळे और योगेश उबाळे अब भी लापता हैं. एसडीआरएफ टीम उनका पता लगाने की कोशिश कर रही है. पुणे के चाकण क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर चार श्रद्धालुओं की पानी में डूबने से मौत हो गई.

बेटी के बॉयफ्रेंड को पिता ने मौत के घाट उतारा

जालना.

एक पिता ने अपनी ही बेटी की हत्या कर दी. पिता ने गांव और समाज में अपनी बदनामी के डर से अपनी ही बेटी का गला घोंट दिया. हत्या को छिपाने के लिए उसने नाटक किया कि लड़की ने फांसी लगा ली है. उसने लड़की को रस्सी से एक कोने में बांधकर फंदे से लटका दिया. इसके बाद किसी शख्स ने पुलिस को जानकारी दी कि लड़की ने आत्महत्या कर ली है. ये मामला 5 सितंबर का बताया जा रहा है. जब बदनापुर तालुका के दावलवाड़ी में रात में गश्त के दौरान बदनापुर के सब इंस्पेक्टर संतोष कुकरे को जानकारी मिली कि दावलवाड़ी गांव के हरि बाबूराव जोगदंड की बेटी ने फांसी लगा ली है. घटना की जानकारी मिलने पर सब इंस्पेक्टर संतोष कुकरे पुलिस स्टाफ के साथ घटनास्थल पर गए और घटना का निरीक्षण किया. मामले की जांच की गई तो पता चला कि लड़की ने आत्महत्या नहीं की. बल्कि, उसकी मौत किसी और वजह से हुई है. इसके बाद बदनापुर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर एम. टी. सुरवसे ने मामले की गहन जांच शुरू की. जांच में सामने आया कि लड़की का एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था. ये बात उसके पिता को पसंद नहीं थी. जैसे ही उसके पिता को बेटी के प्रेम प्रसंग के बारे में पता चला तो उसने समाज में बदनामी के डर से अपनी ही बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी. हत्या को छिपाने के लिए पिता ने बेटी के गले में रस्सी बांधकर लटका दिया गया. लड़की के शव को बदनापुर ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया और शव का पोस्टमार्टम किया गया, जिसमें पता चला कि लड़की की गला घोंटकर हत्या की गई थी. इसके बाद आरोपी पिता हरि बाबूराव जोगदंड को हिरासत में ले लिया गया और पोस्ट बदनापुर में हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है.

लालबागचा राजा पंडाल के बाहर कार हादसा

मुंबई. मुंबई में लालबागचा राजा के प्रवेश द्वार के पास भीषण हादसा हो गया. इस हादसे में 2 बच्चे कुचल गए. वहीं एक बच्चे की मौत हो गई, एक गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है. दरअसल, गणेश चतुर्थी के दस दिवसीय उत्सव के बाद आज पूरा राज्य बप्पा को विदाई दे रहा है. इसी उत्साह में लालबागचा राजा के विसर्जन जुलूस के दौरान एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है. लालबागचा राजा के मुख्य द्वार के सामने सड़क पर एक अज्ञात वाहन ने दो बच्चों को कुचल दिया. इस हादसे में 2 वर्षीय चंद्रा वजंदर की मौत हो गई, जबकि उसका भाई 11 वर्षीय शैलू वजंदर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका परेल स्थित केईएम अस्पताल में इलाज चल रहा है. यह घटना आज तड़के करीब 3 से 4 बजे की है. जब दोनों बच्चे सड़क किनारे सो रहे थे, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें कुचल दिया और बिना कोई चिकित्सीय सहायता दिए मौके से फरार हो गया. इस मामले में कालाचौकी पुलिस स्टेशन में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस आगे की जांच कर रही है. जानकारी के मुताबिक, हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया. इस दौरान उसने घायल बच्चे सड़क पर ही कराहते रहे. पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. वहीं पुलिस इस मामले में अलग-अलग एंगल से भी जांच कर रही है. जांच में ये भी देखा जा रहा है कि हादसा लापरवाही से हुआ या कुछ और वजह रही. गणेश विसर्जन के दौरान मुंबई पुलिस की तरफ से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए. जगह-जगह भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई. यातायात को सुचारु रूप से बनाए रखने के लिए ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है. जिससे जुलूस आसानी से निकल सके. इसके बावजूद ये दर्दनाक हादसा हो गया. वहीं लोग इस घटना से सन्न रह गए.

एमएलसी ने अंजना कृष्णा जांच की मांग कर पोस्ट हटाया

मुंबई.

उपमुख्यमंत्री अजित पवार इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं. दरअसल, हाल ही में एक वीडियो सामने आया था जिसमें उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार ने आईपीएस अंजना कृष्णा को फोन पर फटकार लगाई और उन्हें अवैध मिट्टी खुदाई के खिलाफ कार्रवाई रोकने को कहा. इस मामले पर सियासत छिड़ गई. विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी ने शनिवार को इसको लेकर अजित पवार पर निशाना साधा. जब इस मामले की वीडियो वायरल हुई और अजित पवार की आलोचना की गई, इसी के बाद उन्होंने अपनी सफाई पेश की. अजित पवार ने शुक्रवार को साफ किया कि उनका हस्तक्षेप करने का कोई इरादा नहीं था, बल्कि वो सिर्फ तनावपूर्ण स्थिति को कम करने की कोशिश कर रहे थे. इसी के साथ एनसीपी के एमएलसी भी निशाने पर आ गए. एमएलसी और पार्टी प्रवक्ता अमोल मिटकरी ने यूपीएससी को एक पत्र भेजकर उस आईपीएस अधिकारी की ओर से जमा किए गए शैक्षणिक और जाति दस्तावेजों की जांच करने की मांग की. उनके इस पोस्ट के बाद विपक्ष ने उन पर निशाना साधना शुरू कर दिया. हालांकि, आलोचना होने के बाद एमएलसी ने अपना पोस्ट हटा दिया. साथ ही उन्होंने माफी भी मांगी. एमएलसी मिटकरी ने अपना बयान वापस ले लिया और माफी मांगी. उन्होंने लिखा, मैं सोलापुर घटना को लेकर किए गए अपने पोस्ट को बिना शर्त वापस लेता हूं और खेद व्यक्त करता हूं. यह मेरी पार्टी का नहीं, बल्कि मेरी व्यक्तिगत राय थी. मैं हमारे पुलिस बल और ईमानदारी से सेवा करने वाले अधिकारियों के लिए बहुत सम्मान है. मैं पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के रुख से पूरी तरह सहमत हूं. सोलापुर घटने संदर्भात केलेला ट्वीट मी बिनशर्थ मागे घेऊन दिलगिरी व्यक्त करतो.ही माझ्या पक्षाची भुमिका नव्हती तर माझी वैक्तिक भुमिका होती .आपले पोलिस दल व प्रामाणिकपणे सेवा करणाऱ्या अधिकाऱ्यांबद्दल मला सर्वोच्च आदर आहे. मी पक्षाच्या वरिष्ठ नेतृत्वाच्या भुमिकेशी पूर्णपणे सहमत आहे. इस मामले पर अब विपक्ष ने एनसीपी पर निशाना साधना शुरू कर दिया है. शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, जब अजित पवार का एक महिला अधिकारी को धमकाते हुए वीडियो वायरल हुआ, तब उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पुलिस बल और महिलाओं सहित उसके सभी अधिकारियों के लिए उन्हें सबसे अधिक सम्मान है और वो कानून का पालन सर्वोपरि मानते हैं. लेकिन, उसी समय मिटकरी ने उस महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा के शैक्षणिक और जाति दस्तावेजों की जांच के लिए यूपीएससी को पत्र लिख दिया. अजित पवार जी का एक्स पोस्ट किसने तैयार किया? क्या उन्हें पता है कि उनका हैंडल क्या पोस्ट कर रहा है और उनका एमएलसी क्या कर रहा है? कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक यशोमती ठाकुर ने भी कहा, यह बेहद निंदनीय है कि एनसीपी का एक नेता, जो खुद को शिवाजी-शाहू-फुले-अंबेडकर की विचारधारा का अनुयायी बताता है, एक आईपीएस अधिकारी की जाति पर टिप्पणी करने तक गिर गया. मिटकरी को अचानक आईपीएस कृष्णा के दस्तावेज अब क्यों याद आए?

अंतिम संस्कार पर 'ब्रेन डेड' व्यक्ति में आ गई जान

नासिक. एक युवक के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी. परिजन में गम का माहौल था. तभी कुछ ऐसा हुआ कि सभी हैरान रह गए, जिस युवक को मृत समझकर उसके अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही थी. वह अचानक से हिलने डुलने लगा और खांसने लगा. युवक को देख सभी हैरान रह गए. परिजन युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज किया जा रहा है. हालांकि, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है. दरअसल, डॉक्टरों ने युवक का ब्रेन डेड होने की बात कही थी. युवक के रिश्तेदारों ने शुक्रवार को यह दावा किया. उन्होंने कहा कि त्र्यंबकेश्वर तालुका के रहने वाले 19 साल के भाऊ लचके को कुछ दिन पहले एक दुर्घटना में गंभीर चोटें आई थीं. इसके बाद अडगांव के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में उसको भर्ती कराया गया था. उसका इलाज किया गया, जहां के डॉक्टर्स ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया था. भाऊ लचके के रिश्तेदार गंगाराम शिंदे ने कहा, 'जब हम उसके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे, तब वह हिलने-डुलने और खांसने लगा. हम उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज किया जा रहा है. उसकी हालत गंभीर है और उसे लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है. इस बीच, प्राइवेट हॉस्पिटल के मैनेजमेंट ने दावा किया कि उन्होंने लचके को कभी मृत घोषित नहीं किया था. उन्होंने कहा कि परिजन मेडिकल टर्मिनोलॉजी को लेकर कुछ भ्रमित हो गए थे. ऐसे में भाऊ लचके जो अभी तक जिंदा था. उसके अंतिम संस्कार की तैयारी कर दी गई. हालांकि, गनीमत रही कि वह ही हिलने-डुलने लगा और खांसने लगा, जिससे उसके जिंदा होने का पता चल गया. अब लचके का इलाज चल रहा है. हालांकि, अब भी उसकी हालात गंभीर बनी हुई है. लचके का एक एक्सीडेंट हो गया था, जिसमें उसे गंभीर चोट लगी थी और वह गंभीर रूप से घायल हो गया था.

नायर अस्पताल के डीन को ब्लास्ट धमकी

मुंबई. मुंबई में बम ब्लास्ट की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. अभी हाल ही में नोएडा से एक ऐसा ही शख्स गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद एक बार फिर ऐसी ही नई धमकी मिली है. इस बार ये धमकी नायर अस्पताल और सहार एयरपोर्ट को मिली है. 6 सितंबर देर रात नायर अस्पताल और सहार एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, जिससे अफरा-तफरी मच गई. नायर अस्पताल के डीन को रात करीब 11 बजे धमकी भरा मेल आया, जिसके बाद परिसर में दहशत फैल गई. वहीं एयरपोर्ट पर शौचालय में बम होने का दावा किया गया. मेल मिलते ही अस्पताल में सुरक्षा बढ़ा दी गई और पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर जांच की गई लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई. वहीं इस घटना के बाद अस्पताल कर्मचारियों और मरीजों में कुछ समय के लिए भय का माहौल बन गया. एयरपोर्ट अथॉरिटी को भी धमकी भरा मेल मिला. मेल में दावा किया गया कि एयरपोर्ट शौचालय में बम रखा गया है. पुलिस और बम स्क्वॉड ने तुरंत तलाशी ली लेकिन कुछ भी नहीं मिला. जांच के बाद यह साफ हुआ कि धमकी झूठी थी, लेकिन सतर्कता के तौर पर सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है. मुंबई पुलिस ने दोनों ही मेल की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल को जांच सौंपी है. ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए तकनीकी टीम डेटा खंगाल रही है.

पुलिस का कहना है कि ऐसी हरकतें न केवल अफवाह फैलाने वाली हैं बल्कि जनजीवन में दहशत पैदा करने वाली भी हैं. हाल के दिनों में मुंबई में धमकी भरे ईमेल की घटनाएं बढ़ी हैं. हर बार जांच में झूठे साबित होने के बावजूद प्रशासन इसे हल्के में लेने के मूड में नहीं है. सुरक्षा एजेंसियां हर मामले को गंभीरता से ले रही हैं.

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना संख्या: सीनियर डीएमएम नागपुर / 95255493, दिनांक 04.09.2025. संक्षेप में विवरण: 6400 मिमी ओ/आर (कर्व्ड) फैन आकार के स्विच 1 इन 8.5, टी/आउट फॉर बीजी (1673 मिमी) 60 किग्रा ऑन पीएससी स्लीपर्स का माल, निर्माण और आपूर्ति आरडीएसओ ड्रग. सं. टी-4966 (अल्ट. 7) नवीनतम परिवर्तन के साथ और विनिर्देश सं. आईआरएस टी-10-2023 के अनुरूप, आपूर्तिकर्ताओं के साथ नवीनतम शुद्धिपत्र के साथ, स्टॉक रेल और ड्राइंग में सूचीबद्ध सभी भागों और फिटिंग के साथ पूर्ण रेल, जिसमें चेक रेल शामिल हैं लेकिन ग्रूव्ड रबर सोल प्लेट्स, इंसुलेटिंग लाइनर्स, इलास्टिक रेल क्लिप्स, प्लेट स्क्रू, फिश प्लेट्स और फिश बोल्ट शामिल नहीं हैं। **मात्रा:** 14. **इकाई:** सेट। **निविदा बंद होने की दिनांक** : 24.09.2025 को सुबह 11:30 बजे। वेबसाइट का पता जहां से निविदा की विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर देखा जा सकता है **www.ireps.gov.in**

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, मध्य रेल, नागपूर

DE/190

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

मुंबई वार्ड परिसीमन पर मिली 488 आपत्तियां

मुंबई.

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों की तैयारियां जोरों पर हैं. नगर निकाय को हाल ही में जारी किए गए मसौदा वार्ड परिसीमन पर 488 आपत्तियां और सुझाव मिले हैं. ये आपत्तियां मुंबई के अलग-अलग हिस्सों से आई हैं, जिन्हें अब सुनवाई के बाद देखा जाएगा. बीएमसी की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, मसौदे पर आपत्तियां और सुझाव जमा करने की आखिरी तारीख 4 सितंबर दोपहर 3 बजे थी. इस दौरान कुल 488 आपत्तियां और सुझाव सामने आए. अब इन पर सुनवाई 10, 11 और 12 सितंबर को की जाएगी. इसके लिए नरिमन पॉइंट का यशवंतराव चव्हाण केंद्र जगह तय की गई है तीनों दिन सुनवाई सुबह 11 बजे से शाम 5.30 बजे तक चलेगी. महाराष्ट्र शहरी विकास विभाग ने 22 अगस्त को एक अधिसूचना जारी कर 227 वार्डों का मसौदा नक्शा घोषित किया था. इसी मसौदे पर अब लोगों की राय मांगी गई थी. दरअसल, हर चुनाव से पहले वार्ड परिसीमन करना जरूरी होता है ताकि बढ़ती जनसंख्या और बदलती परिस्थितियों के हिसाब से चुनावी क्षेत्र तय हो सकें. इसी बीच, महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने शुक्रवार को बीएमसी मुख्यालय में चुनावी तैयारियों की समीक्षा की. इस बैठक में नगर निगम और राज्य चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे. बैठक के दौरान मतदान केंद्रों पर सुविधाएं मजबूत करने पर जोर दिया गया.

आज का राशिफल

मेष–नई शुरुआत का दिन है, आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, पर खर्चों पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ– घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। धन निवेश से पहले सोच-विचार करें। सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी रखें।

मिथुन– मन में थोड़ी उलझन हो सकती है। पुराने दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। व्यापार में नया अवसर मिल सकता है। डाइजेशन से जुड़ी समस्या हो सकती है।

कर्क – भावनात्मक फैसले लेने से बचें। करियर में स्थिरता आएगी। पार्टनर से सहयोग मिलेगा। नींद की कमी महसूस हो सकती है।

सिंह– नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं। सम्मान और यश में वृद्धि होगी। खर्च बढ़ सकते हैं, बजट बनाएं। थकान हो सकती है, आराम करें।

कन्या – विद्यार्थियों के लिए शुभ समय है। पार्टनर के साथ समय बिताएं। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। मानसिक तनाव से बचने की सलाह।

तुला– प्रोफेशनल लाइफ में तरक्की के संकेत। सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन में कुछ असमंजस हो सकता है। सेहत सामान्य रहेगी।

वृश्चिक– मनचाही सफलता मिलने की संभावना। किसी पुराने काम से लाभ होगा। पारिवारिक मतभेद दूर होंगे। सेहत को लेकर लापरवाही न करें।

धनु– दूर की यात्रा संभव है, लाभदायक रहेगी। नए प्रोजेक्ट में सफलता के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जोड़ों में दर्द रह सकता है।

मकर– व्यापार में लाभ के संकेत हैं। परिवार का समर्थन मिलेगा। अहम फैसले लेने में सावधानी रखें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ– रचनात्मक कामों में रुचि बढ़ेगी। दोस्तों से सहयोग मिलेगा। पार्टनर के साथ गलतफहमी हो सकती है। नींद पूरी लें।

मीन– धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। आर्थिक दृष्टि से दिन अनुकूल है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में राहत मिलेगी। शरीर में आलस्य रह सकता है।

24 Pride Club
INNOVATIVE BUSINESS MEMBERSHIP
Monthly Networking opportunity
Our Offerings
• Free Live Business Interview on BCN News Channel (10–15 Minutes)
• Free 180 sq. cm Newspaper Ad Design
• Gift Vouchers Worth ₹60,000 & Discounts Worth Lakhs
• Exclusive Offers at 100+ Outlets Across Nagpur
• 12 Monthly Business Lunch Meetings
• Official Business Member Tag
• Access to a 2500+ Customer Database
• Connect with 100+ Businesses for Growth & Collaboration
• 45-Second Business Introduction Slot at Every Meet
• Expert Training Sessions Monthly
• ₹1 Lakh Accidental Insurance Coverage
• 3 Coordinators with Business Presentation Opportunities
JOIN NOW
Scan And Fill The Registration Form
Registration Link
https://registration.24starpride.club/
Contact: +91 8788895854
www.24starpride.club.com
DR.RICHA JAIN PRESIDENT
IMRAN SHEIKH SECRETARY
36,Gandhi Grain market, telephone exchange square near mascot hondashowroom, Nagpur - 440008

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

MSBVE / MSBTE महाराष्ट्र शासन मान्य
AYUSHMAN COLLEGE & HOSPITAL
KAMPTEE, NAGPUR (MS.)
आयुष्मान मेडिकल पॅरामेडिकल कॉलेज
सईद नगर, बालाजी मंदिर के सामने, कलमना रोड, रनाला, कामठी
महाराष्ट्र हमारे कोर्स
BSc MLT, BVOC MLT, PGDMLT / ADMLT (MSBTE) ADXR (MSBTE), DMLT, DDT, DNYS, DAT, GNMA, CCOT, Health Sanitary Inspector, Radiology Technician
इंटर्नशिप आपको सरकारी हॉस्पिटल मे मिलेगी
ADMISSION OPEN 2025-26
8651512020, 8651513030

DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैव्हल्स
• 1 ऑगस्ट अयोध्या काशी
• १४ ऑगस्ट आग्रा मथुरा वृंदावन
• ७ सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र
• २७ ऑक्टोबर केरळ कन्याकुमारी
• २८ ऑक्टोंबर गुजरात राजस्थान
• १६ नोव्हेंबर आणि १० डिसेंबर अंदमान
• ३ जानेवारी गंगासागर नेपाळ
संपर्क आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

अल्का लाडे प्रस्तुत "ज़िंदगी का सफर"
Organizar संकल्प बहुद्देशीय संस्था
सुहाना म्यूज़िकल ग्रुप
(लाइव ऑर्केस्ट्रा पर सुमधुर गीतों की प्रस्तुति)
Alka Lade बॉलिवुड गायिका
Contact For Participate 9373108897, 7798900066 9579254999
Per Song 1500
दि. 10 आगस्ट 2025 दोप. 3 बजे से रात 9.30 बजे तक
अमृत भवन, झांसी रानी चौक, सिताबर्डी, नागपुर

धनवटे ऑनलाइन सर्विसेस
7/12 डिजिटल, ई-अभिलेख, 8 अ डिजिटल, ई- मोजनी, प्रॉपर्टी कार्ड, अधिकार क्षेत्र, झोन सर्टिफिकेट, वर्ग 2 ते वर्ग 1 अर्ज, अखिव पत्रिका, 7/12 फेरफार साठी अर्ज, फेरफार अर्ज,
राजेश धनवटे
9561498551
उपजिला रुग्णालय रोड, हैदरी चौक कामठी

VATSALYA Preschool
'Little Minds, Big Adventures'
Nurturing Young Minds with Heart and Purpose
Pre-Nursery, Nursery, KG1, KG2
Enquire now
More Information 9834172396
Address : Near Ashapurak Ganesh Mandir Ground, Professor Colony, Ranala, Kamptee

NISHCHAY TRAVELS
All types of AC & Non-AC Vehicles Available
Buses 30, 40 & 50 Seater Available
Plot No. 35, House No. 40, Kamptee Road, Shri Hari Nagri Near Ram Vatika, Bhilgaon, Nagpur-441002
: Contact :
Avinash Zanzote 9850340105 7972365539
Vilas Zanzote 9372211220 9112274567

प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू...
नवयुग एज्युकेशन आणि बहुउद्देशीय संस्था कन्हान द्वारा संचालित
:: ADMISSION OPEN FOR 2024-2025 ::
मारोतराव पानतावणे ज्यु. कॉलेज
११ व १२ वी कला, वाणिज्य, विज्ञान
मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय
(राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ नागपूर द्वारा संलग्नित)
B.A., B.Com, B.Sc.कला, वाणिज्य, विज्ञान
कार्यालय वेळ सकाळी १० ते सायं. ५ पर्यंत
SC/ST/OBC/VJNT विद्यार्थ्यांना BA/B.Com/B.Sc ला निःशुल्क प्रवेश देण्यात येईल.
स्कॉलरशिप ची सुविधा उपलब्ध आहे.
संपर्क : मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय, गहुहिवरा रोड, कांद्री-कन्हान
07102-236484, 9373120336, 9834985854, 8766643359

2025 ADMISSION OPEN
FOR I.T.I. ELECTRICIAN & FITTER
Eligibility 10th Pass
FREE ADMISSION FOR GIRLS
Maharashtra Govt. SCHOLARSHIP UPTO 100% for SC/ST/OBC/EWS boys & girls
CONTACT US
RABBANI ITI
Near Samaj Bhawan, Imli Bag, Kamptee 441001 Dist. Nagpur (M.S.)
9021132527 7721877941 9021194901

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

प्लस प्वाइंट ट्युशन क्लासेस
10, 11, 12 वीं की सभी विषयों की अनुभवी शिक्षकों द्वारा ट्युश्न क्लासेस ली जाती है।
प्रोप्रा. मो. सलमान शेख
मोटर स्टैंड मस्जिद के पास, कामठी
तारसा रोड, कन्हान

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

3 STAR HOTEL
LODGING, BOARDING & RESTAURANT
AC / Non AC Room
8983305535, 8055705535
पता: घोरपड बस्ती, लिहीगांव रोड, कामठी

VIDEO GAMES SHOP
Convert VHS to Pendrive, Harddiskh
VHS को पेंनड्राइव में डालते है.
कोई भी पुरानी Video Cassette Recorder (VRC) शादी एंवम कोई भी पुरानी (VHS) कार्यक्रम की Video Cassette (VHS), VCD, CD, DVD, को Pendrive या Harddisk में Convert किया जाता है.
All Video Game for Sell & Repair Services also available
Only Place for Harddisk Loading
All type of USB & Electrical Accessories
All type of video game are available
Repair your Video Games, PS 2, 3, 4 & X Box
Order for Digital Video, Photo Album
DHAMTI VIDEO FILMS
9423771189, 9595399588
FOR SALE
Plot Size 500 sqft. Construction 1000 sqft. RANALA, KAMPTEE

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

जो हम दूसरों को देंगे वही लौटकर, हमारे पास आएगा, चाहे वह इज्जत हो, सम्मान हो या फिर धोखा।

संपादकीय

पीछे क्यों लौटना

❑ कर्नाटक सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से कराने का फैसला किया है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का कहना है कि लोकल बॉडी इलेक्शन कैसे कराना है, यह अधिकार राज्य का होता है। हालांकि यहां सवाल अधिकार से ज्यादा प्रक्रिया पर है। कांग्रेस की अगुआई में विपक्ष ने जिस तरह से ईवीएम और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है, उसे देखते हुए कर्नाटक सरकार के इस फैसले के राजनीतिक अर्थ निकाले जा सकते हैं। चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच भरोसा इस समय सबसे निचले स्तर पर है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर विपक्षी दल हमेशा से संदेह जताते रहे हैं, लेकिन अब बात इलेक्शन कमिशन की विश्वसनीयता तक पहुंच गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, बड़े स्तर पर धांधली हुई। चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नए नाम जोड़े और काटे गए, जिसका फायदा बीजेपी को मिला। उन्होंने जिन जगहों पर गड़बड़ी की आशंका जताई थी, उनमें कर्नाटक की बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत आने वाला महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र भी था। कर्नाटक सरकार का कहना है कि ईवीएम की प्रमाणिकता खत्म हो चुकी है। अगर वाकई ऐसा है, तो भी बैलेट पेपर खोए भरोसे को वापस लाने की गारंटी नहीं। देश में जब चुनाव मतपत्रों के जरिये होते थे, तब भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायतें आती थीं। इसके अलावा, पूरी चुनावी प्रक्रिया बेहद लंबी, थकाऊ और खर्चीली हो जाती थी। ईवीएम ने इस काम को आसान बना दिया है। अगर कोई संदेह है, तो उसका हल टेक्नॉलजी से किनारा करके नहीं मिल सकता। इसमें प्रशासनिक मशीनरी के लिए व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। बैलेट पेपर पर लौटने की मांग सुप्रीम कोर्ट भी पिछले साल खारिज कर चुका है। हालांकि शीर्ष अदालत ने दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों के लिए यह रास्ता खोला था कि परिणाम से असंतुष्ट रहने की सूरत में वे प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की 5% ईवीएम की माइक्रोकंट्रोलर चिप का वेरिफिकेशन कर सकते हैं।कर्नाटक के निकाय चुनावों को एक प्रयोग मान सकते हैं, जिसके सबक आगे काम आएंगे। लोकतंत्र की बुनियाद निष्पक्ष, स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनावों पर टिकी है। अगर कहीं कोई सवाल, कोई शक है, तो उसका उपाय खुली बहस और पारदर्शिता से निकाला जाना चाहिए। हर सिस्टम में सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। ईवीएम के मामले में भी चुनाव आयोग को सोचना चाहिए कि किस तरह इसे आरोप मुक्त किया जा सकता है। इसके लिए सरकार, विपक्ष और आयोग - सभी को मिलकर काम करना होगा।

लघुकथा — चंद्रेश कुमार

आपका दिन

❑ मैं केक नहीं काटूंगी। उसने यह शब्द कहे तो थे सहज अंदाज में, लेकिन सुनते ही पूरे घर में झिलमिलाती रोशनी ज्यों गतिहीन सी हो गयी। उसका अठारहवां जन्मदिन मना रहे परिवारजनों, दोस्तों, आस-पड़ौसियों और नाते-रिश्तेदारों की आंखे अंगदी पैर की तरह ताज्जुब से उसके चेहरे पर स्थित हो गयीं थी। वह सहज स्वर में ही आगे बोली, अब मैं बड़ी हो गयी हु, इसलिए सॉलिड वर्ड्स में यह कह सकती हु कि अब से यह केक मैं नहीं मेरी मॉम काटेगी। कहते हुए उसके होठों पर मुस्कुराहट तैर गयी। वहां खड़े अन्य सभी के चेहरों पर अलग-अलग भाव आए, लेकिन जिज्ञासावश वे सभी चुप रहे। उसकी मां उसके पास आई और बोली, 'मैं क्यों? बेटे ये आपका बर्थडे है। केक आप ही काटो।' उसने अपनी मां की आंखों में झांकते हुए उत्तर दिया, मोम, आपको याद है कि मेरे पैदा होने से पहले आपको बहुत दर्द हुआ होगा. लेबर पैन। उसके बाद मैं पैदा हुई। मां ने हा में सिर हिला दिया। वह आगे बोली, इसका मतलब मेरा बर्थडे तो बाद में हुआ, उससे पहले आपका लेबर-डे है। एटीन की होने से पहले यह बात सबके सामने नहीं कह सकती थी। लेकिन आज हैप्पी लेबर-डे मॉम। आखिरी तीन शब्दों को उसने पूरे जोश से कहा। और यह कहकर उसने अपने हाथ में थामे हुए चांदी के चाकू से केक के ठीक ऊपर तक लटके हुए बड़े गुब्बारे को धम्म से फोड़ दिया।

हस्तरेखाएं

हथेली पर लगाएं इत्र किस्मत देने लगेगी साथ

❑ हाथ की लकीरों को पढ़कर किसी भी व्यक्ति की जिंदगी में आने वाले उतार-चढ़ाव को समझ सकते हैं। हथेली पर भाग्य, स्वास्थ्य, रिश्तों और सुख समृद्धि से जुड़ी कई रेखाएं होती हैं। हस्तरेखा ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन रेखाओं की बनावट किसी भी व्यक्ति के बारे में काफी कुछ बयान करती हैं। वहीं हाथों पर 9 ग्रहों से संबंधित पर्वत भी होते हैं। शुक्र पर्वत हथेली में अंगूठे की ठीक नीचे वाले हिस्से में उभरा वाला हिस्सा होता है। शुक्र पर्वत का संबंध सुख-समृद्धि, प्रेम, आकर्षण और सुंदरता का प्रतीक होता है। अगर किसी व्यक्ति के हाथ में ये वाला पार्ट काफी उभरा हुआ है तो उसे जिंदगी में पैसों से जुड़ी कोई समस्या नहीं आएगी। साथ ही ऐसे व्यक्ति को हर तरह की सुख-सुविधा मिलती है। शुक्र पर्वत हमारे शुक्र ग्रह को रिप्रेजेंट करता है। ऐसे में इस ग्रह को मजबूत करने के लिए कुछ आसान से उपाय भी किए जा सकते हैं। हथेली के शुक्र पर्वत पर अगर हर शुक्रवार को इत्र लगाया जाए तो ये कई लाभ देता है। ध्यान रखें की इत्र बिना अल्कोहल वाला हो। इस उपाय से शुक्र ग्रह मजबूत होने लगेगा और इससे जिंदगी में धन-धान्य, प्रेम और आकर्षण बढ़ने लगेगा। इसके अलावा आप शुक्र को मजबूत करने के लिए गायों को कुछ खिला सकते हैं। साथ ही दृष्टिहीन लोगों की मदद करने से भी आपको खूब लाभ मिलेंगे।

आस्था

पितृपक्ष में करें ये 4 काम, मिलेगी जीवन में खुशहाली

❑ चाणक्य, जिन्हें कौटिल्य और विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है, प्राचीन भारत के महान राजनीतिज्ञ और अर्थशास्त्री थे. उनकी नीतियां केवल राजनीति तक सीमित नहीं थीं, बल्कि जीवन के हर पहलू में लागू होती थीं. विशेष रूप से पूर्वजों का सम्मान और उनके लिए किए गए कर्म को चाणक्य ने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया. पितृपक्ष के दौरान यह ज्ञान और भी ज्यादा प्रासंगिक हो जाता है. अगर आप चाहते हैं कि आपका जीवन सुख, समृद्धि और सफलता से भरा रहे, तो चाणक्य की ये 4 बातें जरूर अपनाएं चाणक्य का मानना था कि जीवन में ऋण चुकाना अनिवार्य है. यह ऋण केवल आर्थिक नहीं, बल्कि पूर्वजों और सामाजिक कर्तव्यों का ऋण भी है.पितृपक्ष में किए गए दान और भोजन का महत्व इसी सिद्धांत से जुड़ा है. यह आपके कर्म और परिवार के संतुलन को मजबूत करता है और जीवन में स्थायित्व लाता है. विशेष रूप से कठिन परिस्थितियों में तर्पण और श्राद्ध करना शांति और समाधान की दिशा में पहला कदम बन सकता है.

अंशा वारसी, फ्रांसीसी और पत्रकारिता अध्ययन, जामिया मिलिया इस्लामिया।

देवबंद और स्वतंत्रता संग्राम: भारतीय देशभक्ति का एक विस्मृत अध्याय

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के रंगीन परिदृश्य में, औपनिवेशिक उत्पीड़न के विरुद्ध अनगिनत आवाज़ें उठीं- कुछ हथियारों से, कुछ विचारों से, और कई अपनी अटूट नैतिक शक्ति से। इनमें, उत्तर प्रदेश के एक प्रसिद्ध इस्लामी संस्थान, दारुल उलूम देवबंद की भूमिका एक शक्तिशाली, लेकिन अक्सर अनदेखा किया जाने वाला अध्याय है।

ऐसे समय में जब भारत के धार्मिक संस्थानों के अलग-थलग रहने की उम्मीद की जा रही थी, देवबंद न केवल एक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में, बल्कि औपनिवेशिक प्रतिरोध के राजनीतिक केंद्र के रूप में भी उभरा। इसके विद्वानों और अनुयायियों का योगदान, जो गहरे इस्लामी मूल्यों पर आधारित है, बल्कि एक स्वतंत्र और बहुलवादी भारत के दृष्टिकोण से भी जुड़ा है, भारतीय मुसलमानों के देशभक्ति के जोश का एक ज्वलंत प्रमाण है।

देवबंद की विरासत का पुनर्पाठ न केवल ऐतिहासिक न्याय है, बल्कि राष्ट्रीय एकता की उस विस्मृत भावना को वापस लाने का कार्य भी है। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के कुछ ही वर्षों बाद, 1866 में स्थापित, दारुल उलूम देवबंद केवल औपनिवेशिक उत्पीड़न की प्रतिक्रिया मात्र नहीं था, बल्कि एक बौद्धिक विद्रोह भी था। ऐसे समय में जब कई लोग अंग्रेजों को एक अजेय शक्ति मानते थे, देवबंद के संस्थापकों का मानना था कि धार्मिक पहचान की रक्षा को राष्ट्र की स्वतंत्रता से अलग नहीं किया जा सकता।

परिणामस्वरूप, यह संस्था धार्मिक शिक्षा और राजनीतिक चेतना का एक दुर्लभ मिश्रण बन गई। देवबंद से उभरने वाली सबसे प्रमुख हस्तियों में मौलाना महमूद हसन थे, जिन्हें प्यार से शेख-उल-हिंद के नाम से जाना जाता था। उनके जीवन का संघर्ष राष्ट्रीय स्वतंत्रता की अवधारणा से अविभाज्य था। उन्होंने सिल्क रूमाल आंदोलन का नेतृत्व किया, जो एक गुप्त संघर्ष था जिसके माध्यम से उन्होंने भारत में ब्रिटिश-विरोधी ताकतों और क्रांतिकारी समूहों के साथ सहयोग किया। अंग्रेजों द्वारा उनकी गिरफ्तारी और उसके बाद माल्टा में निर्वासन ने आंदोलन को शांत नहीं किया, बल्कि भारत के मुस्लिम समुदाय, विशेषकर युवा विद्वानों और छात्रों के भीतर और अधिक प्रतिरोध को प्रज्वलित किया।

देवबंद का प्रभाव उसकी गुप्त गतिविधियों से कहीं आगे तक फैला हुआ था। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के गठन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी, जो स्वतंत्रता-पूर्व उपमहाद्वीप के सबसे महत्वपूर्ण मुस्लिम राजनीतिक संगठनों में से एक था। मुस्लिम लीग, जो विभाजन के पक्ष में थी, के विपरीत, जमीयत ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया और धार्मिक आधार पर देश के विभाजन का कड़ा विरोध किया। वास्तव में, जमीयत का रुख इस्लामी शिक्षाओं पर आधारित था जो एकता (वहदत-ए-उम्मत) और न्याय (इन-साद) पर ज़ोर देती थीं, और उस समय की अलगाववादी राजनीति का एक नैतिक विकल्प प्रदान करती थीं।

अधिकांश देवबंदी विद्वानों ने अहिंसा और सविनय अवज्ञा आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया और महात्मा गांधी सहित अन्य राष्ट्रवादी नेताओं के निकट हो गए। देवबंद के एक प्रमुख व्यक्ति मौलाना हुसैन अहमद मदनी न केवल ब्रिटिश शासन के कट्टर विरोधी थे, बल्कि मुत्तहिदा कौमियत के प्रबल समर्थक भी थे। उनका तर्क था कि सभी भारतीय- हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई- एक राष्ट्र हैं और उन्हें सामूहिक रूप से औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ उठ खड़ा होना चाहिए। इस वैचारिक प्रतिबद्धता की भारी कीमत चुकानी पड़ी।

देवबंदी विद्वानों को अक्सर गिरफ्तार किया जाता था, प्रताड़ित किया जाता था और ब्रिटिश सरकार की निगरानी में रखा जाता था। उनके संस्थानों को परेशान किया जाता था और उनकी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए जाते थे। फिर भी उनका संकल्प कभी नहीं डगमगाया। उनके मदरसे शिक्षा के केंद्र होने के साथ-साथ राजनीतिक जागृति के उद्गम स्थल भी थे। उनके उपदेशों में न केवल ईश्वर का उल्लेख होता था, बल्कि गांधी, नेहरू और आज़ाद का भी उल्लेख होता था। उनका धर्म दुनिया से पलायन नहीं, बल्कि उसे बदलने का एक आंदोलन था।

आधुनिक युग में शत-प्रतिशत साक्षर होना आवश्यक है

रमेश लांजेवार

❑ 1965 में ईरान की राजधानी तेहरान में 8 से 19 सितंबर तक दुनिया भर के शिक्षा मंत्रियों की एक बैठक हुई थी। इसके बाद 1966 में संयुक्त राष्ट्र ने शिक्षा व्यवस्था में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने का फैसला किया। तब से हर साल 8 सितंबर को दुनिया भर में साक्षरता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यानी देश की तरक्की हो या खुद की तरक्की, शिक्षा बेहद जरूरी है। साक्षरता का यही उद्देश्य है। क्योंकि इसी से जीवन की संरचना बनती है और व्यक्ति का निर्माण होता है। आज कई देश तरक्की की राह पर हैं। लेकिन अफ्रीका और एशिया में साक्षरता दर कम है। इसका मुख्य कारण अशिक्षा, बेरोजगारी, भुखमरी, कुपोषण और वन्य जीवन है। आज भी भारत पूरी तरह साक्षर नहीं है। इसके लिए सरकार को बड़ा अभियान चलाने की जरूरत है। मौजूदा हालात में भारत सिर्फ 60 प्रतिशत साक्षर है इसे रोकने के लिए 8 सितंबर को साक्षरता अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जाना चाहिए। क्योंकि बदलते समय के साथ 100 प्रतिशत साक्षर होना आवश्यक है। केरल भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जो 100 प्रतिशत साक्षर है। आज की स्थिति में, जिस देश में साक्षरता दर कम है, वह पिछड़े देशों की श्रेणी में आता है। भारत के आदिवासी क्षेत्र और दूरदराज के इलाके अभी भी साक्षर नहीं हैं। इस वजह से उन्हें कई कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। साक्षरता की कमी के कारण ही देश के कई दूरदराज के राज्यों में नक्सलवाद या अपराधी पैदा होते हैं। दूरदराज के इलाकों में पौष्टिक भोजन और उचित शिक्षा की आवश्यकता है, अन्यथा कुपोषण, भुखमरी, वामपंथी राजनीति और आत्महत्याएं यहीं से उभरती हैं। भारत में बढ़ती जनसंख्या साक्षरता की कमी के कारण एक बड़ी समस्या है। भारत में बढ़ती जनसंख्या धर्मों के बीच कटुता पैदा करती है और धर्म के नाम पर जनसंख्या बढ़ाने की होड़ लगी रहती है।

आज पाकिस्तान केवल 20 प्रतिशत साक्षर है। इस वजह से वह पिछले 78 सालों में कोई तरक्की नहीं कर पाया है। पाकिस्तान ने सिर्फ आतंकवादियों को पालने-पोसने का काम किया है और आज भी कर रहा है, और इसी का नतीजा है कि आज पूरा पाकिस्तान खून से लथपथ नजर आता है। इसीलिए आज पाकिस्तान के हाथ में भिक्षा की टोकरी है और आज की स्थिति में पाकिस्तान दुनिया में आतंकवादियों का घर बन गया है। दुनिया के हर देश को 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का लाभ उठाकर युद्ध स्तर पर साक्षरता अभियान चलाना चाहिए। इससे देश तरक्की की राह पर अग्रसर होगा। आज के मशीनी युग में युवाओं को मोबाइल फोन की लत लग गई है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इससे कई नई बीमारियां पैदा हो सकती हैं। इसके लिए साक्षरता के माध्यम से मोबाइल फोन से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता पैदा करना जरूरी है। आज स्वीडन में दो साल से कम उम्र के बच्चों के मोबाइल फ़ोन और टीवी देखने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

मनुष्य ने प्रकृति को नष्ट किया है, वन संसाधनों को नष्ट किया है, नई-नई समस्याएं पैदा की हैं, इसलिए आज पृथ्वी भयभीत है। मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी से सारा पानी निचोड़ लिया है, यही कारण है कि कई देश पीने के पानी के लिए रेड जोन में आ गए हैं। साक्षरता के माध्यम से जागरूकता पैदा करके इसे बचाया जाना चाहिए। इसके लिए दुनिया के हर देश को युद्ध स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है। आज हर देश युद्ध के लिए तैयार है, हर देश ने खुद को उसी तरह तैयार किया है। अर्थात, विश्व आज तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर पहुंच गया है। इसे साक्षरता अभियान के माध्यम से रोका जाना चाहिए। विश्व के प्रत्येक देश को प्रगति अवश्य करनी चाहिए। लेकिन मानव जाति के कल्याण के लिए और प्रकृति के सानिध्य में रहने वालों (पशु-पक्षी, जंगली जानवर) के लिए, हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उनके साथ कोई अन्याय न हो। यहीं हमारा सच्चा अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस दिखाई देगा। जो कोई भी चरित्र और अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण का प्रयास करता है, वह साक्षरता का सच्चा भागीदार होता है। 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर, दुनिया भर के प्रत्येक देश को साक्षरता अभियान के साथ-साथ बदलती जलवायु पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाना चाहिए।

कहानी — रमेश शर्मा

रुतबे की दीवार

❑ अंग्रेजवा आज रिटायर्ड हो रहा है। नौकरी में जब तक रहा तब तक तो अपने को वायसराय से कम नहीं समझा इसने! खूब सताया सबको! आज के बाद क्या करेगा। अपनी बीवी को तो सता नहीं पाएगा। सिर कूट देगी इसका। कोई नहीं मिलेगा सताने को तो इसे नींद नहीं आएगी रातों में , फिर गाना गाता रहेगा. मुझे नींद न आए ,नींद न आए, मुझे चैन न आए, चैन न आए तरह-तरह की बातें और ही-ही हा-हा के हंसने की आवाजें शौचालय के भीतर से आ रही थीं। शौचालय हाल के ठीक पीछे था जहां विदाई समारोह का आयोजन चल रहा था। हाल में पीछे की तरफ बैठे कुछ लोग खुसूर-फुसूर करने लगे तो उनमें से बहुतों को समझने में देर नहीं लगी कि मंगलू चपरासी आज फिर शौचालय में बैठकर साहब के सम्मान में कसीदे पढ़ रहा है। उसे बार-बार शौचालय जाने की आदत थी। साहब के चेम्बर का काल बेल बजने पर भी वह वहां से जल्दी उठने का नाम नहीं लेता था। एक बार डायरेक्टर साहब ने उसे गुस्से में मां-बहन की गाली देकर निलम्बित कर दिया था। बड़ी मुश्किल से यूनियन बाजी के बाद उसकी बहाली हो सकी थी। तब से मंगलू आए दिन शौचालय में बैठकर साहब को गाली देने लगता था। एक बार इसी चक्कर में उसे पुलिस पकड़कर भी ले गई थी और उसे थाने में दिन भर बैठा दिया गया था। उसके बाद साहब के प्रति उसके मन में विद्रोह और बढ़ गया था। 'काय करही निलम्बित तो करे सकही, कर डारे साले हर (क्या कर लेगा, निलम्बित ही तो कर सकेगा, तो कर ले साले)' बात बात में मंगलू को कई बार ऐसा कहते हुए लोग सुनते।आज मेरे बचपन के दोस्त रामखिलावन के घर नतनीन पैदा हुई है, मैं भी दादा बन गया! कहते कहते ठीक एक तारीख को अपनी तनख्वाह में से दो हजार रूपये की मिठाई मंगलू ने ऑफिस में बंटवा दिया था! उसके भीतर कुछ बातें घर कर गई थीं इसलिए साहब के पास जाने से वह हमेशा परहेज करता कहीं कोई मनहूसियत भरी बात वे न कर दें इसलिए उनके पास मिठाई लेकर वह आज भी नहीं गया!

वास्तुशास्त्र

घर की उत्तर दिशा से जुड़ा है धन का रहस्य

❑ वास्तु शास्त्र में माना गया है कि घर की उत्तर दिशा में धन या तिजोरी आदि रखने से धन लाभ के योग बन रहे हैं। इसके साथ ही आप इस दिशा में कुबेर देव का चित्र मूर्ति या चित्र भी स्थापित कर सकते हैं, जिससे आपको लिए धन लाभ के योग बनने लगते हैं। इसके साथ-साथ आपको इस दिशा में कुबेर यंत्र की स्थापना करने से भी अपने कारोबार में फायदा देखने को मिल सकता है।वास्तु शास्त्र में माना गया है कि आप अपने घर की उत्तर दिशा में मनी प्लांट और तुलसी जैसे पौधे रख सकते हैं। इससे धन की वृद्धि होती है। इसके साथ ही आपको घर की उत्तर दिशा में बांस का पौधा लगाने से भी लाभ मिल सकता है। कुबेर देव की कृपा के लिए आप उत्तर दिशा में छोटा-सा फाउंटेन, एक्वेरियम, धातु से बना या क्रिस्टल का कछुआ आदि रख सकते हैं। इसके साथ ही वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा में नदी, झरने आदि की तस्वीर लगाना भी काफी शुभ माना गया है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। घर में पॉजिटिव एनर्जी को आकर्षित करने के लिए आप मुख्य द्वार पर नेम प्लेट, विंड चाइम्स आदि भी लगा सकते हैं।घर की उत्तर दिशा में भूलकर भी जूते-चप्पल, कूड़ेदान या किसी तरह का भारी सामान आदि नहीं रखना चाहिए। इससे कुबेर देव नाराज हो सकते हैं। जिस कारण आपको आर्थिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही उत्तर दिशा को गंदा भी न रखं, वरना इससे सकारात्मक ऊर्जा अवरूद्ध हो सकती है।

व्यंग्य — यशवंत कोठारी

बिकने का मौसम

❑ इधर समाज में तेजी से ऐसे लोग बढ़ रहे हैं जो बिकने को तैयार खड़े हैं बाज़ार ऐसे लोगों से भरा पड़ा हैं, बाबूजी आओ हमें खरीदो. कोई फुट पाथ पर बिकने को खड़ा है, कोई थडी पर , कोई दुकान पर कोई , कोई शोरूम पर, तो कोई मल्टीप्लेक्स पर सज -धज कर खड़ा है. आओ सर हर किस्म का मॉल है. सरकार, व्यवस्था के खरीदारों का स्वागत है. बुद्धिजीवी शुरू में अपनी रेट ऊँची रखता है , मगर मोल भाव में सस्ते में बिक जाता है. आम आदमी , गरीब मामूली कीमत पर मिल जाते है. वैसे भी कहा है गरीब की जोरू सबकी भाभी. कोई भी खरीद सकता है , या मुफ्त में बाई वन गेट वन फ्री. खरीदार नदी , नाले पहाड़, सड़क झीलें, इमान, कुर्सी सब खरीद सकता है. देखते देखते गांव शहर सब बिक गए. बड़ी मछली छोटी मछली को खरीद कर खा जाती है. यह सब इसलिए की बिकना एक फैशन है . क्या करता यार सही कीमत मिल गयी तो बिक गया वाला संतोषी भाव चेहरे पर आ जाता है. बैठे ठाले के इस चिंतन को मैंने आगे बढाया. सही विक्रय मूल्य मिल जाये तो कौन नहीं बिकना चाहेगा. बाज़ार से गुजरा हु खरीदार नहीं हु वाला समय चला गया. बिकने की ख़बरें अक्सर आती रहती हैं. फलां बिक गया यार. खरीदार सोचता है सस्ते में मिल गया तो ले लिया. स्टोर में पड़ा रहेगा , वक्त जरूरत काम आएगा. खरीदने के मामले में हम सब मुफ्त का मॉल चाहते हैं आलू प्याज़ के भाव में सेव अनार चाहते हैं . पुराने ज़माने में जो मिल जाता खरीद लिया जाता अब मामला थोडा पूंजीवादी खुली अर्थ व्यवस्था का है. लोग हत्या , आत्महत्या बलात्कार, यौन शोषण तक खरीद लेते हैं , और अपने ड्राइंग रूम में सझा लेते हैं. कल देखा एक नेताजी ने टिकट ख़रीदा , आपनी पहली पत्नी को दिया फिर दूसरा टिकट ख़रीदा अपनी दूसरी पत्नी को दिया , फिर तीसरा टिकट ख़रीदा और राज्य सभा में घुस गए कर लो क्या करते हो ? चुनाव में गरीब एक थैली में बिक जाता है. एम एल ए मंत्री पद पर बिक जाता है, कुछ एम एल ए मिल कर सरकार गिराने में बिक जाते हैं तो दूसरे सरकार बनाने में बिक जाते हैं. हर आदमी टैग लगा कर घूम रहा है. बस सही कीमत मिल जाय. लोग फेरी लगाने को तैयार है हमें खरीद लो. सत्ता के गलियारे से लगाकर फुटपाथ पर माल ही माल. जन पथ से राज पथ तक संसद से सड़क तक टैग वाले खरीदार ढूंढ रहे हैं. बेरोजगार नौकरी के लिए बिकने को तैयार है. अस्मत चंद सिक्कों के लिए बिक जाती है. नौकरी में प्रमोशन के लिए भी टैग लगाना पड़ता है. जब टैग से काम नहीं चलता तो मुखौटे लगाने पड़ते हैं, असली चेहरा छुपाना भी एक कला है . हिंदी साहित्य में तो यह आम है. आजकल संस्कृति का टैग लगाकर बिकने के दिन है.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रूग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रूग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, सोमवार, 8 सितंबर 2025

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की चौदह में से बारह मांगें स्वीकृत

ओबीसी मंत्री अतुल सावे ने भूख हड़ताल स्थल पर मांगों के अनुमोदन का मसौदा प्रस्तुत किया

कोंकण.

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ ने महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बबनराव तायवाड़े और महासचिव सचिन राजुरकर की उपस्थिति में 30 अगस्त से नागपुर के संविधान चौक पर अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी है। आज भूख हड़ताल का छठा दिन है। राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की क्रमिक भूख हड़ताल निम्नलिखित माँगों के साथ शुरू हो रही है। आज छठे दिन राज्य के ओबीसी मंत्री अतुल सावे के साथ परिणय फुके, चरण सिंह ठाकुर, प्रवीण दटके, पूर्व सांसद विकास महात्मे, महाज्योति के प्रबंध निदेशक मिलिंद नारिंगे, क्षेत्रीय उपनिदेशक अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण विभाग नागपुर विजय वाकुडकर, राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.बबन तायवाड़े ने माँगों का विवरण पढ़ा, जिसके बाद अतुल सावे ने राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के भूख हड़ताल स्थल पर बारह माँगों को स्वीकृत करने वाला प्रस्ताव पढ़ा और दो माँगों को कैबिनेट की मंज़ूरी के लिए प्रस्तावित किया। कोंकण, मराठवाड़ा, विदर्भ जिलों के राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की भूख हड़ताल संपन्न हुई। मराठा जाति को ओबीसी श्रेणी में शामिल नहीं किया जाना चाहिए और मराठा समुदाय को सामान्य रूप से कुनबी प्रमाण पत्र नहीं दिया जाना चाहिए। विदेश में उच्च शिक्षा के लिए मेधावी बच्चों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति की संख्या 75 छात्रों से बढ़ाकर 200 छात्रों तक की जानी चाहिए। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान BARTI के सरकारी निर्णय के अनुसार, 28 अक्टूबर 2021 के अनुसार, महाज्योति के लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाना चाहिए। जैसे बाबासाहब आंबेडकर शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान BARTI के सरकारी निर्णय के अनुसार, समाज के संस्थानों को काम में प्राथमिकता दी जाती है, वैसे ही ओबीसी, विजा, भज और विशेष पिछड़ा वर्ग से संबंधित संस्थानों को रोजगार प्रदान करने के लिए महाज्योति के काम को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। म्हाडा और सिडको द्वारा निर्मित किए जाने वाले घरकुल योजना में ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण लागू किया जाना चाहिए। उच्च और तकनीकी विभाग के 200 लड़कियों के लिए तैयार छात्रावास, जो स्वर्गीय यशवंतराव चव्हाण की जन्म शताब्दी के अवसर पर नागपुर में बनाया गया था, और 200 लड़कों के लिए तैयार छात्रावास, जो स्वर्गीय

वसंतराव नाईक की जन्म शताब्दी के अवसर पर नागपुर में बनाया गया था, को ओबीसी, वीजेएनटी, एसबीसी श्रेणियों के छात्रों के छात्रावास के लिए ओबीसी बहुजन कल्याण विभाग को हस्तांतरित किया जाना चाहिए, और लड़के और लड़कियों के छात्रावासों को सरकारी निर्णय के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग बहुजन कल्याण विभाग के माध्यम से शुरू किया जाना चाहिए। ओबीसी, वीजेएनटी, एसबीसी आर्थिक विकास निगम के लिए मुफ्त प्रत्यक्ष ऋण योजना की सीमा 1 लाख और ऋण सीमा योजना के लिए 15 लाख रुपये होनी चाहिए, साथ ही बंधक में केवल कृषि की शर्त को शिथिल किया जाना चाहिए। घर, भूखंड, दुकान आदि को शामिल किया जाना चाहिए। गारंटर लेते समय सरकारी कर्मचारी होने की शर्त को शिथिल किया जाना चाहिए, 500 सिबिल स्कोर की शर्त को शिथिल किया जाना चाहिए और लाभार्थियों के लिए कोई शर्त नहीं होनी चाहिए। शामराव पेजे आर्थिक विकास निगम, अण्णाभाऊ साठे आर्थिक विकास निगम, अण्णासाहेब पाटिल आर्थिक विकास निगम की तर्ज पर अन्य पिछड़ा आर्थिक विकास निगमों का नाम जनार्दन पाटिल ओबीसी आर्थिक विकास निगम रखा जाए। प्रत्येक शहर और तालुका स्तर पर ओबीसी, वीजेएनटी, एसबीसी विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित पुस्तकालय शुरू किया जाए।

डॉ. बाबासाहब आंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार और आदिवासी सेवक पुरस्कार की तरह डॉ. पंजाबराव देशमुख ओबीसी समाजसेवी पुरस्कार की घोषणा की जाए। राज्य में अनुसूचित जाति और जनजाति की तरह ओबीसी, विजा, भज और विशेष पिछड़ा वर्ग के किसानों के लिए 100 प्रतिशत रियायत के साथ योजनाएं शुरू की जाएं। ओबीसी आर्थिक विकास निगम के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाए और निगम की सभी स्वीकृत योजनाएं तुरंत शुरू की जाएं। ओबीसी, विजा, भज और बीमा समुदायों के पीएचडी शोध छात्रों के लिए तीन साल से लंबित फेलोशिप का तुरंत भुगतान किया जाए। 1. व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में ओबीसी बच्चों के लिए 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति लागू की जाए। 2. भारी बारिश के कारण जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं उन्हें तत्काल मुआवजा दिया जाए. इन दोनों मांगों को कैबिनेट की मंजूरी के लिए प्रस्तावित किया गया था. राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ द्वारा संविधान चौक पर शुरू की गई श्रृंखलाबद्ध भूख हड़ताल की घोषणा पर अशोक जीवतोड़े, प्रो. शेषराव येलेकर, शरद वानखड़े, परमेश्वर राऊत, नाना जोडे, विनोद इंगोले, हरिभाऊ बनित, श्रीकांत मसामारे, रितेश कडव, नीलेश कोडे, ऋषभ राऊत, गणेश चौकसे, निखिल भुते, खुशाल शेंडे, सुरेश कोंगे, अविनाश घाग्रे, गणेश गाडेकर, रितिका डफ, सुनील शिंदे, सलाह. घनश्याम मांगे, मनीष फुके, अविनाश पाल, तुलसीदास भुरसे, कवींद्र रोहनकर, हेमराज गोमासे। सूरज बेलोकर, शेंडे मैडम, अर्चना बोम्बले, अनिल कोथंगले, शकील पटेल, राजू गोसाई, नीलेश खोड़े, रितेश कड़व, अनंत बारसागड़े और ओबीसी फेडरेशन के सभी पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे.

भाजपा ने किया गणेश मंडलों का जोशपूर्ण स्वागत

चंद्रपुर. हर साल की तरह इस साल भी गणेश विसर्जन के अवसर पर गणेश मंडलों के स्वागत के लिए भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से लोकमान्य तिलक स्कूल के सामने स्वागत मंच बनाया गया है। महानगर अध्यक्ष सुभाष कासंगोट्टुवार ने बताया कि आज शनिवार को इसी मंच से भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से सभी गणेश मंडलों का स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नेता, केंद्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर, पूर्व मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार, वरिष्ठ भाजपा नेत्री शोभा फडणवीस, विधायक किशोर जोरगेवार, वरिष्ठ नेता विजय राऊत, पूर्व महापौर राखी कंचरलावार, अंजलि घोटेकर, ओबीसी नेता अशोक जीवतोड़े, जिला केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष रविंद्र शिंदे, प्रकाश देवतले गणेश मंडलों का स्वागत करने के लिए उपस्थित रहेंगे। महानगर अध्यक्ष सुभाष कासनगोट्टुवार ने भारतीय जनता पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से शनिवार को दोपहर एक बजे स्वागत मंच के पास उपस्थित होने की अपील की है।

ग्राहक पंचायत महाराष्ट्र जिला चंद्रपुर के उपाध्यक्ष अरुण जमदाड़े को विद्युत सुधार मंच में नियुक्ति

चंद्रपुर. ग्राहक पंचायत महाराष्ट्र जिला चंद्रपुर के पद पर सफलता का एक और कदम जुड़ गया है। अरुण जमदाड़े को विद्युत सुधार मंच गढ़चिरौली में एक स्वतंत्र नवनियुक्त सदस्य के रूप में चुना गया है। इसका श्रेय प्रदेश अध्यक्ष विजय लाड, सचिव अरुण वाघमारे और इस नियुक्ति के माध्यम से संगठन ने धन्यवाद दिया.

विधायक किशोर जोरगेवार ने किये विभिन्न सार्वजनिक गणेश के दर्शन

चंद्रपुर. चंद्रपुर शहर में गणेशोत्सव बड़े ही आस्था और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है और इसी पृष्ठभूमि में विधायक किशोर जोरगेवार ने विभिन्न सार्वजनिक गणेश मंडलों में जाकर श्री गणेश के दर्शन किए। इस अवसर पर कई गणेश मंडलों ने सामाजिक मुद्दों पर आधारित दृश्य प्रस्तुत कर सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति, स्वच्छता अभियान, डिजिटल इंडिया जैसे विषयों पर बनाए गए दृश्यों को देखकर विधायक किशोर जोरगेवार ने मंडलों की प्रशंसा की। विधायक जोरगेवार ने कहा कि गणेशोत्सव केवल एक धार्मिक उत्सव ही नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन लाने वाला उत्सव भी है। उन्होंने कहा कि मंडलों द्वारा की जा रही यह सामाजिक जागरूकता वर्तमान समय की वास्तविक आवश्यकता है.

'स्पर्श अंतरमन का' पुस्तक का भव्य प्रकाशन समारोह धूमधाम से संपन्न

लेखन ने छू लिया दिल, साहित्यप्रेमियों ने किया उत्साहपूर्वक स्वागत

चंद्रपुर.

डॉ. माधुरी मानवटकर द्वारा लिखित आत्मस्पर्शी लेखन संग्रह "स्पर्श अंतरमन का" का भव्य प्रकाशन आज घोडपेठ स्थित मानवटकर कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में बड़े हर्षोल्लास और उपस्थित साहित्यिक समाज के संग आयोजित किया गया। यह विशेष कार्यक्रम आदरणीय बापूरावजी पेटकर जी की जयंती पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में माननीय पुलकित सिंह (CEO, जिला परिषद, चंद्रपुर), डॉ. गाडेगौणे (प्रसिद्ध अस्थिरोग विशेषज्ञ),

प्रो. श्रीकांत पाटिल (लेखक व समीक्षक), और प्रो. प्रमोद नारायण (प्राध्यापक, यशवंत महाविद्यालय, वर्धा) उपस्थित रहे। पुस्तक का लोकार्पण माननीय पुलकित सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान "कविता के घर की ओर से" प्रस्तुत विशेष काव्य पुरस्कार की भी घोषणा की गई। डॉ. गाडेगौणे ने साहित्य और मानवी अनुभव की गहराई पर संवेदनशील टिप्पणी करते हुए पुरस्कार को विशेष महत्व दिया। इस मौके पर वंदना पेटकर, परमानंद तिराणिक और श्रुति आत्राम ने पुस्तक के चुनिंदा अंशों का सुंदर अभिवाचन कर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। प्रो. प्रमोद नारायण और प्रो. श्रीकांत पाटिल ने साहित्यिक दृष्टि से पुस्तक का विश्लेषण किया और लेखिका की लेखन शैली की विशेष सराहना की। डॉ. माधुरी मानवटकर ने अपने विचार साझा करते हुए पुस्तक के निर्माण के पीछे की प्रेरणा, अनुभव और भावनात्मक यात्रा का रोचक वाक्य प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित साहित्य प्रेमियों ने आत्मीय संवाद का आनंद लिया।

साथ ही सुदेश हिंग्लासपूरकर (ग्रंथाली प्रकाशन) का सत्कार भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन हेमा बहादे ने सुंदर ढंग से किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन आयोजक समिति की ओर से प्रस्तुत किया गया। इस प्रकाशन समारोह ने चंद्रपुर के साहित्यिक माहौल को और भी समृद्ध किया। सभी उपस्थित जनों ने इस पुस्तक को भावपूर्ण व हृदयस्पर्शी बताया और विश्वास जताया कि "स्पर्श अंतरमन का" निश्चित रूप से पाठकों के अंतरमन को छू लेगी।

विधायक सुधीर मुनगंटीवार मरीजों की मदद के लिए हमेशा तैयार

> मुल उप-जिला अस्पताल की असुविधाओं पर दिया ध्यान, सर्जनों को तुरंत जांच के लिए अस्पताल भेजा, निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत कर मरीजों को होने वाली असुविधा से बचने के स्पष्ट निर्देश.

चंद्रपुर, सुनील तायडे.

राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक एवं मत्स्य पालन मंत्री, विधायक सुधीर मुनगंटीवार की कार्यशैली का एक और उदाहरण नागरिकों ने देखा। हर तरफ गणेशोत्सव की धूम है। हर कोई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में व्यस्त है। विधायक मुनगंटीवार स्वयं भी विभिन्न मंडलों में श्री गणेश के दर्शन के लिए जा रहे हैं। लेकिन इस हर्षोल्लास और उत्सव के माहौल में भी उन्होंने मरीजों की असुविधा पर तुरंत ध्यान दिया। मुल उपजिला अस्पताल में असुविधा की शिकायत मिलते ही उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को अपना सारा काम छोड़कर पहले भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

उसके बाद शल्य चिकित्सक ने अस्पताल पहुंचकर निरीक्षण किया और चिकित्सा अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। विधायक मुनगंटीवार ने जनसेवा को ईश्वर सेवा माना है। इसलिए वे किसी भी कार्य या कार्यक्रम से पहले जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हैं। इसी

तरह, उन्हें मुल उपजिला अस्पताल में मरीजों को हो रही असुविधाओं की शिकायतें मिलीं।

इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए, उन्होंने चंद्रपुर जिला सामान्य अस्पताल के शल्य चिकित्सकों को पत्र लिखकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुल उप-जिला अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों ने विधायक मुनगंटीवार को विभिन्न शिकायतें दी थीं। मुनगंटीवार ने जिला शल्य चिकित्सक को पत्र लिखकर इस ओर ध्यान देने को कहा।

'मेरे जनसंपर्क कार्यालय को शिकायतें मिली हैं कि मुल उप-जिला अस्पताल में विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए आने वाले मरीजों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इन सभी मुद्दों पर उचित कार्रवाई की जाए जैसे कि चिकित्सा अधिकारियों / कर्मचारियों की अनुपस्थिति, मरीजों के साथ अशिष्ट व्यवहार, ठीक से सवाल न पूछना, दवाओं की कमी और नियमित और संविदा चिकित्सा अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण मरीजों को होने वाली असुविधा।

इस संबंध में, उन्हें स्वयं उपजिला अस्पताल मुल जाकर उसका निरीक्षण करना चाहिए और उपरोक्त शिकायतों को गंभीरता से लेना चाहिए ताकि उनकी पुनरावृत्ति न हो, ऐसा मुनगंटीवार ने पत्र में कहा। इसके बाद, शल्य चिकित्सकों ने इसका निरीक्षण किया और चिकित्सा अधिकारियों को मरीजों को असुविधा से बचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुल के भाजपा पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर भाजपा शहर अध्यक्ष प्रवीण मोहुर्ले, पूर्व उपाध्यक्ष नंदू रणदिवे, पूर्व सभापति मिलिंद खोबरागड़े, प्रशांत बोबोटे, सुनील कुकुतकर, संतोष गजलवार, राकेश ठाकरे, सूर्यकांत सहारे और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

शहनाज का सपना पूरा करेंगे सलमान

जितना एक्साइटेड फैन्स बिग बॉस के हर नए सीजन के लिए रहते हैं. उससे कई ज्यादा इंतजार सलमान खान और वीकेंड के वार का रहता है. जब वो आते हैं और कई कंटेस्टेंट्स की अपने स्टाइल में क्लास लगाते हैं. 'बिग बॉस 19' के इस वीकेंड के वार में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला. जहां फरहाना को सच का आईना दिखाया गया.

पर अब नए प्रोमो ने बिग बॉस फैन्स को खुश कर दिया है. मंच में सलमान खान के साथ शहनाज गिल दिखाई दे रही हैं. क्या वो अपने भाई को छोड़ने पहुंची हैं?दरअसल इस वीकेंड के वार के पहले दिन सलमान खान इमोशनल होते दिखाई दिए. जब कुनिका सदानंद के दूसरे बेटे ने शो में पहुंचकर मां के स्ट्रगल के बारे में सबको बताया. साथ ही पहले बेटे के लिए लड़ी लड़ाई का भी जिक्र किया. हालांकि, अब कलर्स वालों ने नया प्रोमो शेयर कर दिया है, जिसमें सलमान के साथ शहनाज गिल नजर आ रही हैं.दरअसल नए प्रोमो में सलमान खान ने शहनाज गिल का जबरदस्त अंदाज में स्वागत किया. वो कहते दिखे कि- अरे इंडिया की शहनाज गिल. आते ही एक्ट्रेस ने सलमान खान को गले लगाया. इस दौरान शहनाज कहती हैं कि मैं आपसे कोई रिक्वेस्ट करने आई हूं, जिसपर भाईजान ने कहा बोलो. वो बोलती हैं- जो सपना है वो पूरा कर दो अब. हालांकि, बाद में सलमान खान हंसने लगे. इस दौरान शो में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री करवाई गई है. ऐसी खबरें हैं कि शहनाज गिल के भाई शहबाज शो में आ रहे हैं.

साउथ फिल्म बनी टाइगर के लिए सिरदर्द

साउथ फिल्म इंडस्ट्री का कमाल साल 2025 में भी देखने को मिल रहा है. साउथ की फिल्में काफी अच्छा कलेक्शन कर रही हैं और एक के बाद एक कमाई के मामले में धमाल मचा रही हैं. अब साउथ एक्टर शिवकार्तिकेयन की फिल्म मद्रासी का जलवा नजर आ रहा है. इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर भी टाइगर श्रॉफ की बागी 4 को पछाड़ा था और दूसरे दिन भी ये फिल्म बड़ा कमाल करती नजर आ रही है.

आइये जानते हैं कि दो दिनों में मद्रासी ने कितने रुपए भारत में छापे हैं और विदेशों में शिवकार्तिकेयन और विद्युत जामवाल की फिल्म को कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है.मद्रासी फिल्म की बात करें तो इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 13.65 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया और शानदार शुरुआत की. इसके बाद फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन भी मोमेंटम को मेंटेन कर के रखा और 12.1 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया. इस लिहाज से देखा जाए तो दो दिनों में भारत में इस फिल्म ने 25.75 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. वहीं फिल्म का ओवरसीज कलेक्शन अभी तक ओपनिंग डे पर 9 करोड़ रुपए का हो चुका है. फिल्म के ग्रॉस कलेक्शन की बात करें तो ये पहले दिन 16 करोड़ रुपए का रहा है. इस लिहाज से अगर फिल्म के 2 दिन के कलेक्शन की बात करें तो इसने दो दिनों में दुनियाभर में 37 करोड़ रुपए कमा लिए हैं जो एक डीसेंट कलेक्शन कहा जा सकता है.वहीं इसकी तुलना में अगर बॉलीवुड फिल्म बागी 4 की बात करें तो इस फिल्म की कमाई ठीक जा रही है लेकिन शिवकार्तिकेयन की फिल्म को कंप्लीट नहीं कर पा रही है. इस फिल्म ने दुनियाभर में दो दिनों में 26.15 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन किया है. इस फिल्म का ओवरसीज कलेक्शन 3 करोड़ ही रहा है. ऐसे में हर मामले में देखा जाए तो टाइगर श्रॉफ की बागी 4 से शिवकार्तिकेयन की दिल मद्रासी आगे निकलती नजर आ रही है.

बोनी की अगली फिल्म में नहीं होंगे अर्जुन

बोनी कपूर इस वक्त कई बड़ी फिल्मों की तैयारियों में बिजी हैं. फिलहाल वो कॉमिक केपर 'नो एंट्री' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं. फिल्म का टाइटल है- 'नो एंट्री पर एंट्री'. फिल्म में पहले दिलजीत दोसांझ की एंट्री और एग्जिट की बार-बार जानकारी मिलती रही है. अब फाइनली पता लग गया है कि क्यों वो फिल्म से बाहर हो गए हैं.

इसी बीच बोनी कपूर ने कुछ बड़ी पिक्चरों को लेकर जानकारी दी है. जिसमें अपने बच्चों के साथ भी फिल्में करने वाले हैं. हालांकि, एक 800 करोड़ी एक्ट्रेस पर भी दांव खेला गया है.हाल ही में बोनी कपूर ने एक इंटरव्यू में अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बात की. वो कहते हैं कि भविष्य में 6 फिल्में लाने की प्लानिंग कर रहे हैं. जिसमें से 4 हिंदी, तो 2 तमिल में होगी. बोनी कपूर ने जिन फिल्मों का प्लान किया है, उसमें 'नो एंट्री में एंट्री' शामिल नहीं है. दरअसल यह पहले ही अनाउंस हो चुकी है. हालांकि, उसके अलावा 6 फिल्मों की बात कही है. उसमें एक जान्हवी कपूर, तो दूसरी खुशी कपूर के साथ होगी. वहीं एक फिल्म श्रद्धा कपूर के साथ बनाने वाले हैं. जिन्होंने स्त्री 2 से 800 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था. वहीं इन फिल्मों के अलावा उनके पास कुछ शूटिंग स्क्रिप्ट भी तैयार हैं. उनका कहना है कि वो एक ही वक्त पर कई फिल्मों का काम शुरू नहीं कर सकते हैं. हालांकि, चाहते हैं जब उनके बच्चे साथ आकर काम करें, तो उन्हें संतुष्टी हो. सिर्फ इसलिए वो मेरी फिल्म में काम न करे कि पापा ने बोला है फिल्म के लिए. उन्होंने खुलासा किया कि यह अनिल कपूर के साथ हो चुका है. जो 'बेवफा' और 'जुदाई' नहीं करना चाहते थे. पर उन्हें मनाना पड़ा था.

तान्या मित्तल की ट्रोलिंग से माता-पिता दुखी

तान्या मित्तल एक बार फिर चर्चा में हैं क्योंकि उनके परिवार ने बिग बॉस 19 में उनके सफर को लेकर एक ऑफिशियल बयान जारी किया है. जब से तान्या ने शो में हिस्सा लिया है, तब से उनकी निजी जिंदगी के बारे में उनके चौंकाने वाले खुलासे चर्चा का विषय बने हुए हैं. कई लोगों ने उनकी निजी ज़िंदगी को दिखाने के लिए उनका मज़ाक भी उड़ाया, जबकि कई यूजर्स ने आरोप लगाया कि वह दिखावा कर रही हैं. इन सब बातों के बीच, तान्या के माता-पिता ने एक बयान जारी कर अपनी बेटी को लेकर चिंता जताई है.तान्या मित्तल के इंस्टाग्राम पर बयान अपलोड किया गया है. बयान में बताया गया है कि उन्हें अपनी बेटी को बिग बॉस 19 में देखकर कितना गर्व है और यह भी कि तान्या को निशाना बनाए जाने से उन्हें कितना दुख होता है. तान्या के माता-पिता ने लोगों से गुजारिश की कि जब तक उनका बिग बॉस का सफर खत्म न हो जाए, तब तक वे कोई भी राय न दें.

उन्होंने कहा, "उनसे सवाल करने वाले या आरोप लगाने वाले सभी लोगों से हमारी एक ही विनती है: कृपया कोई भी फैसला सुनाने से पहले उनकी जर्नी पूरी होने तक प्रतीक्षा करें. वह इसकी हकदार हैं. आपकी रीलें और आरोप आपको अटेंशन दिला सकते हैं, लेकिन वे जीवन भर के लिए निशान छोड़ जाते हैं. बयान में आगे लिखा गया है, और कृपया हम हाथ जोड़कर विनती करते हैं कि हमें, उसके परिवार को इससे दूर रखें.

82 की उम्र में भी फुल फॉर्म में बिग बी

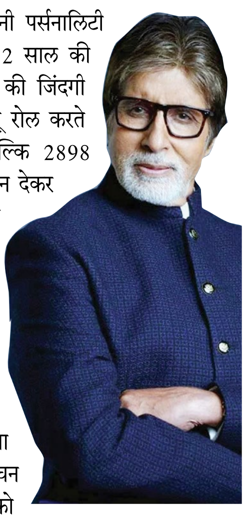

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी पर्सनालिटी और एनर्जी को लेकर लोगों को हैरान करते हैं. 82 साल की उम्र में लोग जहां रिटायरमेंट लेकर अपनी आराम की जिंदगी जीते हैं, वहीं 'बिग बी' बड़े पर्दे पर आज भी धांसू रोल करते नजर आते हैं. कुछ समय पहले आई फिल्म 'कल्कि 2898 एचडी' में अमिताभ बच्चन ने कई जबरदस्त एक्शन सीन देकर दर्शकों को चौंका दिया था, उनकी फिटनेस को लोग दीवाने हैं, वो सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी अपनी डैशिंग पर्सनालिटी और फिटनेस से यंगस्टर्स को कड़ी टक्कर देते नजर आते हैं. हर रविवार को बिग बी अपने बंगले 'जलसा' के बाहर फैंस से रूबरू होते हैं और उसी गर्मजोशी के साथ हमेशा दर्शकों का प्यार स्वीकार करते हैं. तो आइए जानते हैं. कि आखिर बिग बी का ये फिटनेस सीक्रेट क्या है?मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमिताभ बच्चन दिन की शुरुआत तुलसी और नीम के पत्तों को चबाकर करते हैं. क्योंकि ये बॉडी से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में हेल्प करता हैं. उनकी डाइट बेहद सिंपल और हेल्दी होती है. वह घर का बना ताजा खाना ही पसंद करते हैं. नाश्ते में ज्यादातर दलिया, ड्राई फ्रूट्स और आंवला जूस शामिल रहते हैं.चीनी और चावल जैसी चीजों से अमिताभ बच्चन दूरी बनाए रखते हैं. इतना ही नहीं, वो वह अल्कोहल और नॉनवेज को भी पूरी तरह से अवॉयड करते हैं. फिट रहने के लिए बिग बी आज भी रोजाना योग, प्राणायाम करना नहीं भूलते हैं.

'एनिमल' स्टाइल में दिखे प्रभास

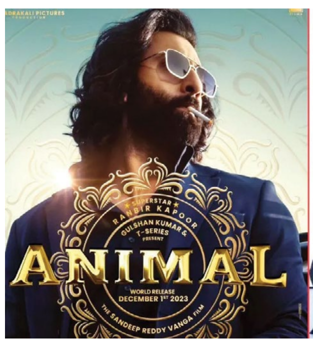

अब प्रभास बड़ी वापसी की तैयारी में हैं. पर सवाल भी उतना ही बड़ा है कि कौन सी फिल्म से वो भौकाल काटेंगे. इस वक्त उनके खाते में कई बड़ी फिल्में हैं. जिस पर वो एक-एक कर आगे बढ़ रहे हैं. पर कौन सी फिल्म के लिए किस स्लॉट को फाइनल किया गया है. यह कन्फ्यूजन अब भी बना है. लंबे वक्त से 'द राजा साब' को पोस्टपोन करने के बाद 2026 जनवरी में लाने की तैयारी की गई है. वहीं वो इस समय संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट को लेकर बिजी हैं. जिस पर बहुत बड़ी जानकारी सामने आ गई है.संदीप रेड्डी वांगा की पिछली फिल्म 'एनिमल' थी, जिसे रणबीर कपूर के साथ मिलकर बनाया था. वहीं, फिल्म ने दुनियाभर से 900 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था. अब वो 'स्पिरिट' के लिए प्रभास के साथ आ गए हैं. जिसे लेकर बीते दिनों जानकारी मिली थी कि जल्द ही काम खत्म करना होगा. जिसके बाद 'एनिमल पार्क' की तरफ बढ़ेंगे. अब उन्होंने 'स्पिरिट' का रन टाइम बता दिया है.

हाल ही में एक शो में पहुंचे संदीप रेड्डी वांगा से उनकी अपकमिंग फिल्म को लेकर सवाल किया गया. जिस पर उन्होंने कहा कि मैं यह कोशिश करूंगा कि फिल्म का रनटाइम 3 घंटे से ज्यादा न हो. दरअसल रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल 3 घंटे से ज्यादा की थी. जिस पर आखिरी वक्त में ही काफी बदलाव किया गया. आगे वो बताते हैं कि फिल्म की शूटिंग से पहले ही 70 परसेंट बैकग्राउंड स्कोर पूरा कर लिया है. ठीक उसी तरह काम हो रहा है, जैसे रणबीर कपूर की एनिमल में किया गया था. संदीप रेड्डी वांगा का मानना है कि जब सेट पर बीजीएम चलता है, तो फिल्म की शूटिंग आसान हो जाती है. कब कट कहना है कब नहीं, यह चीजें आसानी से पता लग जाती हैं. दरअसल एनिमल से पहले वो शाहिद कपूर के साथ कबीर सिंह बना चुके हैं. जिस पर वो कहते हैं कि कबीर सिंह के दौरान समझ आया कि प्रोडक्शन से पहले बीजीएम हो जाए, तो शूटिंग आसान हो जाती है. अर्जुन रेड्डी और कबीर सिंह में ऐसा नहीं हो

प्रेग्नेंसी के बाद पहली बार दिखीं परिणीति

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा अपनी प्रेग्नेंसी का पूरा मजा ले रही हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी की खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की थी। इसके बाद अब उन्हें पहली बार किसी इवेंट में देखा गया।परिणीति ने इवेंट में ब्लैक अनारकली पहनी थी। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी का खास ग्लो साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने अपने लुक को मिडिल पार्टेड हेयरस्टाइल और हैवी ईयररिंग्स से पूरा किया। फैंस ने उन्हें बहुत खुश और उत्साहित देखा। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।परिणीति और उनके पति राघव चड्ढा ने मई 2023 में दिल्ली में सगाई की थी। इसके बाद सितंबर 2023 में उदयपुर में उनकी शादी हुई। शादी में सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। उनकी वेडिंग की तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं।

पंजाब की मदद को आगे आए अक्षय और दिलजीत

पंजाब हाल की सबसे भयंकर बाढ़ से तबाह है, गांव डूबे, लोग बेघर हुए, घर नष्ट हुए, फसलें बही और पशुधन भी खतरे में पड़ा है. सभी लोग फिर से जीवन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं.इस त्रासदी के बीच फिल्मी सितारे आगे आकर मदद करने के लिए हाथ बढ़ाया है. उन्होंने आर्थिक मदद दी, राहत सामग्री भेजी और जमीनी स्तर पर भी लोगों की काफी मदद की है.इन सितारों में पंजाबी सिंगर करण औजला का भी नाम है, उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के लिए 3.5 लाख रुपए की एक मोटरबोट दी है, जिससे लोगों को आसानी से बाढ़ से बाहर निकाला जा सके.वहीं एक्ट्रेस और बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट हिमांशी खुराना भी जमीनी स्तर पर जुड़ कर लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ा रही हैं. उन्होंने 10 घरों को फिर से बसाने का वादा किया है.फेमस सिंगर गिप्पी गरेवाल ने इस परेशानी की वक्त पशुओं की सुरक्षा का ख्याल किया है और उनकी मदद के लिए पैसे दिए हैं. साथ ही उन्होंने ट्रक भर कर पशुओं का चारा दान में दिया है.

मिचेल स्टार्क ने टी20 इंटरनेशनल से लिया संन्यास

नई दिल्ली. क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने हाल ही में टी20I से संन्यास का ऐलान कर दिया था. ऑस्ट्रेलिया के लिए 65 टी20I मैचों 79 विकेट लेने वाले स्टार्क के इस फैसले से क्रिकेट फैंस चौंक गए, लेकिन सबसे ज्यादा हैरान उनके कप्तान हुए. इसका खुलासा मिचेल स्टार्क ने एक इंटरव्यू के दौरान किया है. इस दौरान उन्होंने अपने कप्तान से माफी भी मांगी. ऑस्ट्रेलिया ने साल 2021 में एकमात्र टी20I वर्ल्ड कप पर कब्जा किया था. इस दौरान मिचेल स्टार्क इस टीम का हिस्सा थे. अब मिचेल स्टार्क केवल वनडे और टेस्ट क्रिकेट में ही खेलते हुए नजर आएंगे. इंटरव्यू के दौरान स्टार्क ने अपने फ्यूचर की योजनाओं के बारे में भी खुलकर बात की.

स्टार्क ने मिचेल मार्श ने मांगी माफी

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी मिचेल स्टार्क ने टी20I क्रिकेट से रिटायरमेंट लेकर इस छोटे फॉर्मेट के कप्तान मिशेल मार्श को हैरान कर दिया था. उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "मुझे शायद मिचेल मार्श को फोन करना चाहिए था. उन्होंने मुझे मैसेज किया और कहा कि उन्हें इंस्टाग्राम के जरिए पता चला. मुझे इस बात का बुरा लगा कि मैंने कप्तान को नहीं बताया, मैं उनसे माफी मांगता हूं". इस दौरान उन्होंने कहा कि साल 2021 में हमने पहली बार टी20I वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. इस पर हमें गर्व हैं, लेकिन उनके अपने घर में इस उपलब्धि को कम महत्व दिया जाता है. स्टार्क ने बताया कि

उनकी पत्नी एलिसा हीली 6 बार महिला टी20I वर्ल्ड कप जीत चुकी हैं. एलिसा मुझसे कहती हैं, "बस एक ही है-शांत रहो". इंटरव्यू के दौरान मिचेल मार्श ने कहा कि अब वो वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं.

वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर फोकस करेंगे मिचेल स्टार्क

इंटरव्यू के दौरान मिचेल स्टार्क ने अपने फ्यूचर के योजना के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि वो 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में खेलना चाहते हैं. स्टार्क ने कहा कि मैं तीसरी बार वनडे वर्ल्ड कप जीतना चाहता हूं. स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की उस टीम के सदस्य रह चुके हैं, जिसने साल 2015 और 2023 में वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. इस दौरान स्टार्क ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था. साल 2015 में स्टार्क ने 22 विकेट हासिल किए थे, जिसकी वजह से उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था, जबकि साल 2023 में उन्होंने 16 विकेट चटकाए थे. हाल ही में स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस ने वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली. इस पर स्टार्क ने कहा कि मैंने इस बारे में सोचा कि कौन सा फॉर्मेट में खेलना सही रहेगा?

टेस्ट क्रिकेट मेरी प्राथमिकता

मिचेल स्टार्क ने कहा कि अगर मैं 2027 तक टीम में नहीं रहूंगा तो मैं उस स्थान को बरकरार नहीं रखना चाहता. मुझे अब भी लगता है कि मेरे पास उस वनडे टीम को देने के लिए बहुत कुछ है. उन्होंने कहा कि T20I से रिटायरमेंट के बारे में मैंने बहुत सोचा. मुझे लगा कि शायद ये सही समय था. मैं अब 35 साल का हूं, टेस्ट क्रिकेट हमेशा मेरी प्राथमिकता रही है और आगे भी रहेगी.

अगर स्टार्क अपने 38वें बर्थडे से कुछ महीने पहले साउथ अफ्रीका में होने वाले 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम में जगह बना लेते हैं तो वो सर्वकालिक महान वनडे वर्ल्ड कप गेंदबाज का खिताब अपने नाम कर सकते हैं. इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा टॉप पर हैं. उन्होंने साल 1996, 1999, 2003 और 2007 में वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था. इस दौरान उन्होंने 71 विकेट हासिल किए थे. इसके बाद मुथैया मुरलीधरन का नाम आता है. वो साल 1996 से लेकर 2011 तक पांच वनडे वर्ल्ड कप में खेले थे. इसमें उन्होंने 68 विकेट चटकाए थे. इस मामले में मिचेल स्टार्क मुरलीधरन से केवल 3 विकेट दूर हैं. उनके 65 विकेट हैं. स्टार्क ने साल 2015, 2019 और 2023 में हुए वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया है.

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नारायण जगदीशन की शानदार पारी

नई दिल्ली. दलीप ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइल में साउथ जोन और नॉर्थ जोन की टीमों का आमना-सामना हो रहा है. दोनों टीमों के बीच ये मैच बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1 में खेला जा रहा है. इस मैच में साउथ जोन के लिए खेल रहे तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन ने एक यादगार पारी खेली. लेकिन वह दोहरा शतक बनाने से चूक गए. वह 200 रन का आंकड़ा छूने से सिर्फ 3 रन दूर रहे .

नॉर्थ जोन ने मुकाबले की शुरुआत में टॉस जीतकर साउथ जोन को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया. साउथ जोन की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे नारायण जगदीशन ने जमकर रन बनाए. जगदीशन ने खेल के पहले दिन 184 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया. उन्होंने काफी संभलकर बल्लेबाजी की और खेल के दूसरे दिन भी क्रीज पर जम गए. उन्होंने 159 रन का आंकड़ा छूने के लिए 262 गेंदे लीं. लेकिन 197 रन के स्कोर पर पहुंचने के बाद उन्हें एक गलती भारी पड़ गई.

दरअसल, वह रन आउट होकर अपना विकेट गंवा बैठे.

नारायण जगदीशन ने इस पारी में कुल 352 गेंदों का सामना किया और 197 रन बनाए. उनकी इस पारी में 16 चौके और 2 छक्के शामिल रहे. ऐसे में वह आउट होने के बाद काफी निराश नजर आए. उनके पास दोहरा शतक पूरा करने का एक बड़ा मौका था. बता दें, नारायण जगदीशन को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया था. वह ऋषभ पंत की जगह टीम में आए थे, लेकिन डेब्यू नहीं कर सके थे.

दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइल मैचों में लगातार दूसरे दिन ऐसा हुआ है जब कोई बल्लेबाज दोहरे शतक से चूका है. नारायण जगदीशन से पहले ऋतुराज गायकवाड़ भी दोहरा शतक पूरा करने से 16 रन दूर रह गए थे. वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने सेंट्रल जोन के खिलाफ पहली पारी में 206 गेंदों का सामना करते हुए 184 रन बनाए. जिसमें 25 चौके और 1 छक्का शामिल रहा.

महिला हॉकी एशिया कप 2025 में भारत की धमाकेदार शुरुआत

बीजिंग. चीन में शुरू हुए महिला हॉकी एशिया कप 2025 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से करारी शिकस्त दी. गोन्गशु कैनाल स्पोर्ट्स पार्क हॉकी फील्ड में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने आक्रामक खेल दिखाते हुए थाईलैंड को एकतरफा अंदाज में हराया. भारतीय महिला टीम इस साल एफआइएच प्रो लीग के यूरोप फेज में आखिरी स्थान पर रही थी, लेकिन एशिया कप में उसने दमदार शुरुआत की है. एशिया कप के पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करना खिलाड़ियों के लिए एक अच्छी खबर है. अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर और स्टार फारवर्ड दीपिका के चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने से भारतीय टीम कमजोर दिखाई दे रही थी. लेकिन मुमताज खान, उडिता, और ब्यूटी डुंग डुंग के शानदार खेल के चलते भारतीय टीम ने एक आसान जीत अपने नाम की. भारत ने शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और शानदार गोल दागे.

टीचर्स डे पर कोच के प्रति पंड्या ब्रदर्स का खास तोहफा

नई दिल्ली. टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और क्रुणाल पंड्या मैदान पर तो मैच जिताते ही हैं, साथ ही ये दोनों खिलाड़ी मैदान के बाहर भी फैंस का दिल जीतते हैं. टीचर्स डे के मौके पर पंड्या भाइयों के कोच जितेंद्र सिंह ने एक ऐसा खुलासा किया है जिसे जानकर आपको भी इन दोनों खिलाड़ियों पर गर्व होगा. हार्दिक पंड्या और क्रुणाल पंड्या को इतना टैलेंटेड खिलाड़ी बनाने में जितेंद्र सिंह का भी बड़ा हाथ है. उन्होंने मुश्किल समय में इन दोनों खिलाड़ियों की मदद की और खेल को निखारने में उनकी मदद भी की. अब जब उनके दोनों शिष्य कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं तो उन्होंने अपने गुरु की मदद भी की है. ये खुलासा खुद जितेंद्र सिंह ने किया है. जितेंद्र सिंह ने बताया कि हार्दिक और क्रुणाल पंड्या ने उन्हें अब तक 80 लाख रुपये दिये हैं और उनकी बहनों की शादी भी कराई है. हार्दिक पंड्या और क्रुणाल के कोच जितेंद्र सिंह ने बातचीत में बताया कि भले ही ये दोनों खिलाड़ी आज पैसे से काफी मजबूत हो गए हैं लेकिन वो आज भी अपने कोच के लिए वैसे ही

हैं. जितेंद्र सिंह ने बताया, 'हार्दिक पंड्या और क्रुणाल पंड्या ने साल 2018 में मेरी बहन की शादी में काफी मदद की. उन्होंने पैसा ही नहीं बल्कि मुझे कार खरीदने के लिए 20 लाख रुपये भी दिये. पिछले साल मेरी दूसरी बहन की शादी हुई, उसमें भी हार्दिक पंड्या और क्रुणाल पंड्या ने मुझे काफी गिफ्ट्स दिये. उन्होंने कहा कि जब शादी फिक्स हो जाएगी तो उन्हें बताएं और वो सारी जरूरतें पूरी करेंगे.' हार्दिक पंड्या को जब आईपीएल 2015 में डेब्यू का मौका मिला तो उनके कोच जितेंद्र सिंह की मां काफी बीमार हो गई थीं. लेकिन जितेंद्र सिंह ने हार्दिक पंड्या को इसके बारे में नहीं बताया. जितेंद्र सिंह ने कहा, 'मैंने हार्दिक को कुछ नहीं बताया, मैं नहीं चाहता था कि उनका ध्यान भटक जाए. हालांकि बड़ौदा लौटने के बाद जब उन्हें इस बात का पता चला तो उन्होंने मुझसे सवाल पूछा. मैंने उन्हें सारी बात बताई और इसके बाद हार्दिक ने मुझे कहा कि मेरा सारा पैसा ले लो लेकिन अपनी मां का ध्यान रखो.' जितेंद्र सिंह ने आगे कहा, 'हार्दिक ने साल 2015-16 में ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद मुझे एक कार गिफ्ट की, जिसकी कीमत 5-6 लाख रुपये थी. वो उसकी पहली ही सीरीज थी और वो आर्थिक रूप से इतना मजबूत भी नहीं था लेकिन इसके बावजूद उन्होंने मेरे लिए कार खरीदी. मैंने जब वो लेने से मना किया तो उन्होंने कहा कि आप बाइक से इधर-उधर जाते हैं.

आईपीएल में प्रीति जिंटा के कहने पर बदला गया प्लेयर ऑफ द मैच!

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के प्रदर्शन को सभी फैंस ने सलाम किया था. ये टीम फाइनल तक पहुंची लेकिन खिताबी जंग में उसे आरसीबी से हार मिली. वैसे सिर्फ पंजाब के खिलाड़ी ही नहीं आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम की मालकिन प्रीति जिंटा भी छाई रहती हैं. प्रीति जिंटा लगभग हर मैच देखने स्टेडियम में आती हैं और फैंस उन्हें काफी पसंद करते हैं. अब प्रीति जिंटा पर आईपीएल के एक बड़े पॉपुलर खिलाड़ी ने बड़ा खुलासा किया है. ये खिलाड़ी हैं संदीप शर्मा जिन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे प्रीति जिंटा के कहने पर प्लेयर ऑफ द मैच ही बदल दिया गया.संदीप शर्मा ने बताया कि एक आईपीएल मैच में जो कि बेंगलुरु में हुआ था वहां प्रीति जिंटा ने रवि शास्त्री से कहकर प्लेयर ऑफ द मैच ही बदलवा दिया था. संदीप शर्मा ने कहा, 'बेंगलुरु में हुए एक आईपीएल मैच में मैंने नई गेंद से तीन विकेट लिए थे. विराट कोहली, एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल को उस मैच में मैने आउट किया था. लेकिन उस मैच में अक्षर पटेल प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले थे क्योंकि उन्होंने दो विकेट लेने के साथ-साथ 25 रन बी बनाए थे. लेकिन प्रीति मैन ने रवि शास्त्री से कहा कि प्लेयर ऑफ द मैच सैंडी (संदीप शर्मा) होना चाहिए.'संदीप शर्मा ने प्रीति जिंटा के साथ-साथ श्रेयस अय्यर पर भी बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि किसी टीम को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने का ये मतलब नहीं है कि आप भारत के कप्तान भी बन जाएंगे. संदीप शर्मा ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट एक अलग ही चैलेंज है. संदीप शर्मा ने कहा, 'श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाने की बात हो रही है क्योंकि उन्होंने आईपीएल में अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया था.

डिएगो सिमियोने की संपत्ति 1236 करोड़

हर महीने की सैलरी भी चौंकाने वाली

नई दिल्ली. एक खिलाड़ी को फेमस बनाने में उसके कोच का बहुत बड़ा हाथ होता है. यही कोच अपने खिलाड़ी को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है और उसकी गलतियों को सुधारता है. जब एक खिलाड़ी फेमस हो जाता है तो उसके कोच की वैल्यू भी काफी बढ़ जाती है. हैप्पी टीचर्स डे के मौके पर हम ऐसे ही कुछ कोच के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करते हैं. इसमें फुटबॉल और बास्केटबॉल के कोच शामिल हैं. इनकी संपत्ति जानकार आप भी हैरान रह जाएंगे. इसमें से सबसे महंगे कोच की संपत्ति करीब 1236 करोड़ के आसपास है. दुनिया के सबसे महंगे कोच में पहले नंबर पर डिएगो शिमोन हैं. डिएगो शिमोन अर्जेंटीना के पेशेवर फुटबॉल मैनेजर और पूर्व खिलाड़ी

हैं. इनकी कुल संपत्ति 140 मिलियन डॉलर (करीब 1236 करोड़ रुपये) है. उनको हर महीने 35 मिलियन डॉलर की सैलरी मिलती है. डिएगो शिमोन ने तीन वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.

आत्महत्या या कुछ और?

इसके अलावा उन्होंने एटलेटिको डी मैड्रिड, इंटर मिलान और लाजियो के साथ ही काम किया है. दिसंबर 2011 में एटलेटिको डी मैड्रिड की कमान संभालने के बाद से शिमोन ने क्लब में क्रांति ला दी और एक कमजोर टीम को एक मजबूत टीम में बदल दिया. उनकी कोचिंग में एटलेटिको ने दो ला लीगा खिताब, दो यूरोपा लीग ट्रॉफी जीती है.

दुनिया के सबसे अमीर कोच में दूसरे नंबर पर निक सबन हैं. वो एक अमेरिकी कॉलेज फुटबॉल के हेड कोच हैं. इनकी कुल संपत्ति 80 मिलियन डॉलर (करीब 706 करोड़ रुपये) है. सबन दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले कॉलेज फुटबॉल कोच हैं. उनकी महीने की सैलरी 11.2 मिलियन डॉलर है. सबन उन दो कोचों में से एक हैं, जिन्होंने अलग-अलग स्कूलों के साथ एसईसी चैंपियनशिप जीती हैं. वो इस समय अलबामा यूनिवर्सिटी के फुटबॉल कोच हैं.

बिल बेलिचिक भी कम नहीं

इस सूची में तीसरे नंबर पर बिल बेलिचिक हैं. वो अमेरिकन फुटबॉल टीम के हेड कोच हैं. उनकी संपत्ति 70 मिलियन डॉलर (करीब 618 करोड़ रुपये) है.

बिल बेलिचिक को न्यू इंग्लैंड पैट्रियट्स के हेड कोच के रूप में जाना जाता है. इनकी मंथली सैलरी 12 मिलियन डॉलर के करीब है.इस मामले में चौथे नंबर अमेरिका के ही जो गिब्स हैं. गिब्स अमेरिकन फुटबॉल टीम के पूर्व हेड कोच हैं. इनकी संपत्ति 70 मिलियन डॉलर (करीब 618 करोड़ रुपये) है. गिब्स कुल 16 सीजन तक एनएफएल के वाशिंगटन रेडस्किन्स के हेड कोच रहे और टीम को तीन सुपर बाउल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी.

लैरी ब्राउन की इतनी है कमाई

पांचवें नंबर लैरी ब्राउन हैं. ये एक अमेरिकी बास्केटबॉल कोच हैं. इनकी कुल संपत्ति 70 मिलियन डॉलर (करीब 618 करोड़ रुपये) है. इनकी सैलरी 2 मिलियन डॉलर प्रति माह है.लैरी ब्राउन ने एनबीए और एनसीएए की कई टीमों को कोचिंग दी है. वे इस खेल के इतिहास में एनबीए और एनसीएए दोनों खिताब जीतने वाले एकमात्र कोच हैं. इसके अलावा आठ अलग-अलग एनबीए टीमों को प्लेऑफ तक पहुंचाने वाले एकमात्र कोच भी हैं. एक खिलाड़ी के रूप में ब्राउन ने 1964 के टोक्यो ओलंपिक में अमेरिकी मेंस बास्केटबॉल टीम के सदस्य के रूप में गोल्ड मेडल जीता था.

टीम इंडिया दुबई पहुंची, हार्दिक पंड्या ने दिखाया अलग अंदाज

दुबई. एशिया कप 2025 में हिस्सा लेने के लिए टीम इंडिया दुबई पहुंच चुकी है. भारतीय टीम का पहला मुकाबला संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 10 सितंबर को होगा. इससे पहले टीम दुबई में प्रैक्टिस करेगी. इस दौरान टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एक अलग ही स्टाइल में दिख रहे थे. हार्दिक पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से मैदान से दूर हैं. अब वो एशिया कप में अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी का दम दिखाने को बेताब होंगे. टीम इंडिया की असली परीक्षा 14 सितंबर को होगी, जब उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा. इसके लिए हार्दिक पंड्या पूरी तरह से तैयार हैं. टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने एशिया कप से पहले अपनी हेयरस्टाइल चेंज कर ली है. इसकी फोटो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट की है. इस दौरान उन्होंने कैप्शन

लिखा है, "न्यू मी". हार्दिक पंड्या ने अपने लुक में और निखार लाने के लिए छोटे बाल और सैंडी ब्लोंड कलर चुना है.

उनका ये हेयर स्टाइल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है. फैंस इस हेयर स्टाइल की तुलना इंग्लैंड के टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर निकोलस पूरन से भी कर रहे हैं. हार्दिक पंड्या चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार कोई इंटरनेशनल मैच खेलेंगे.हार्दिक पंड्या चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में आखिरी बार इंटरनेशनल मैच खेले थे. इसके बाद से वो कोई भी इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेले हैं. अब वो 9 सितंबर को यूएई के खिलाफ जब मैदान में उतरेंगे तो टीम को उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी. कभी रोहित शर्मा के बाद भारत के अगले टी20 कप्तान माने जा रहे हार्दिक टीम में केवल एक खिलाड़ी के तौर पर पर शामिल हैं. सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया की टी20I टीम के कप्तान हैं, जबकि शुभमन गिल को एशिया कप के लिए उप कप्तान बनाया गया है. हालांकि हार्दिक पंड्या का टी20I में प्रदर्शन काफी अच्छा है.

टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने 114 टी20I मैच खेले हैं. इसमें उन्होंने 27.87 की औसत से 1812 रन बनाए हैं. इस दौरान हार्दिक ने 5 फिफ्टी ठोकी है. इसके अलावा उन्होंने 94 विकेट भी हासिल किये हैं. 94 वनडे मैचों में हार्दिक ने 32.82 की औसत से 1904 रन बनाए हैं. इसमें 11 अर्धशतक शामिल है. वनडे में उनके नाम 91 विकेट है. हार्दिक पंड्या ने भारतीय टीम की ओर से 11 टेस्ट मैच भी खेले हैं. इसकी 18 पारियों में उन्होंने 31.29 की औसत से 532 रन बनाए हैं. इसमें एक शतक और 4 अर्धशतक शामिल है.

भारत ने मलेशिया को 4-1 से हराकर फाइनल की उम्मीदें बरकरार रखीं

पटना. बिहार के राजगीर में चल रहे मेंस हॉकी एशिया कप 2025 में भारतीय टीम ने सुपर-4 राउंड में मलेशिया को 4-1 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने ग्रुप स्टेज के बाद सुपर-4 में अपनी पहली जीत दर्ज की और फाइनल तक पहुंचने की उम्मीदों को मजबूत किया। भारतीय टीम ने इस मैच की शुरुआत थोड़ा संघर्षपूर्ण की, क्योंकि मैच के पहले मिनट में ही मलेशिया ने तेज़ी से गोल कर बढ़त बना ली थी। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी जल्दी ही वापसी करने में सफल रहे और अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। टीम इंडिया के लिए यह जीत अहम थी क्योंकि सुपर-4 में उनके पहले मैच में कोरिया के साथ 2-2 से ड्रॉ हुआ था। कोरिया को पूल स्टेज में मलेशिया ने 4-1 से हराया था, जिससे मलेशिया को चुनौतीपूर्ण टीम माना जा रहा था। ऐसे में भारतीय टीम की यह जीत फाइनल की राह में एक बड़ा कदम है। अब भारतीय टीम का अगला मुकाबला कोरिया से होगा, जिसे जीतकर वे फाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

अर्जेंटीना में लियोनेल मेसी का भावुक विदाई मुकाबला

ब्यूनस आयर्स. अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोन्युमेंटल में वर्ल्ड कप क्वालिफाइंग फुटबॉल मुकाबले में मेजबान टीम ने वेनेजुएला पर 3-0 से शानदार जीत दर्ज की, लेकिन इस जीत से न तो अर्जेंटीना के खिलाड़ी खुश थे और न ही फैंस. इसकी एक बड़ी वजह उनके स्टार खिलाड़ी और कप्तान लियोनेल मेसी का अपने देश में आखिरी इंटरनेशनल खेलना था. इसके बाद वो कभी भी अर्जेंटीना में कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेलेंगे. इस दौरान मेसी के आंखों में आंसू थे. पूरा देश भी भावुक था. इस बीच उन्होंने अपने घर में आखिरी मुकाबले में दो गोल करके टीम को शानदार जीत दिलाई.वर्ल्ड कप क्वालिफाइंग फुटबॉल मुकाबले में वेनेजुएला के खिलाफ मैच से पहले लियोनेल मेसी अपने बच्चों का हाथ थामे मैदान में आए. इस दौरान उनकी आंखों में आंसू थी. जब मैच शुरू हुआ तो वो कुछ अलग ही अंदाज

में दिख रहे थे और पहले हॉफ में ही उन्होंने शानदार गोल करके टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी. इससे फैंस खुशी से झूम उठे. दूसरे हाफ में मेसी द्वारा किए गए एक शानदार मूव के बाद लुटारो मार्टिनेज ने हेडर से बढ़त को दोगुनी कर दी, लेकिन 4 सितंबर की रात एक ही खिलाड़ी के नाम था. मैच के आखिरी समय में थियागो अल्माडा ने विंग पर जगह बनाई और गेंद को मेसी की तरफ भेज दिया. मेसी ने सीधे गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया. ये एक ऐसी विदाई थी जो सिर्फ मेसी ही लिख सकते थे. मैच की आखिरी सीटी बजते ही पूरा स्टेडियम रो पड़ा. लियोनेल मेसी खुद भी अपने आंसू नहीं रोक पाए. उन्होंने मैदान में मौजूद लगभग हर व्यक्ति को गले लगाया. इस दौरान मैनेजर लियोनेल स्कोलानी भी अन्य खिलाड़ियों के साथ भावुक हो गए. इस दौरान उनकी पत्नी, बच्चे, माता-पिता और भाई-बहन स्टैंड से सब कुछ देख रहे थे. अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कोलोनी ने स्वीकार किया कि उन्हें भी आंसू पोंछने पड़े. आखिरी सीटी बजने के बाद खिलाड़ी मेसी के चारों ओर इकट्ठा हो गए.

प्रधानमंत्री का मणिपुर दौरा विवादों में!

> कांग्रेस ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को मणिपुर जाने वाले हैं. वहां हुई हिंसा के बाद पहली बार पीएम मोदी का दौरा होने वाला है. इस पर तमाम राजनीतिक दलों की तरफ से प्रतिक्रिया सामने आ रही है. कांग्रेस और शिवसेना ने उनके इस दौरे पर सरकार पर सवाल खड़े किए हैं. कांग्रेस ने कहा कि 29 महीनों के बाद पीएम अपने इस दौरे में वहां केवल 3 घंटे का समय बिताने वाले हैं. ये तो मणिपुर के लोगों का ही अपमान है.

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पीएम मोदी के दौरे को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री की 13 सितंबर को प्रस्तावित मणिपुर यात्रा का उनके समर्थक स्वागत कर रहे हैं, लेकिन वह राज्य में लगभग 3 घंटे ही बिताएंगे. उन्होंने लिखा जी हां, सिर्फ 3 घंटे. इतनी जल्दबाजी में की गई इस यात्रा से उन्हें क्या हासिल होने की उम्मीद है?

जयराम ने आगे लिखा कि यह दरअसल राज्य के लोगों का अपमान है, उन्होंने 29 लंबे और कष्टदायक महीनों तक उनका इंतजार किया है. 13 सितंबर को प्रधानमंत्री असल में मणिपुर की जनता के प्रति अपनी बेरुखी और असंवेदनशीलता का परिचय देते हुए, मणिपुर में नहीं आएंगे.

कांग्रेस से पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता सांसद संजय राउत ने कहा कि मणिपुर जा रहे हैं तो बड़ी बात क्या है? प्रधानमंत्री हैं, दो तीन साल के बाद जा रहे हैं. जब मणिपुर जल रहा था, हिंसा भड़क रही थी तब जाने की हिम्मत नहीं की. अब प्रधानमंत्री पद से मोदी जी के जाने का समय हो गया है तो वहां पर्यटन करने जा रहे हैं.

इसी साल फरवरी में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद केंद्र ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था. हाल ही के संसद सत्र में गृहमंत्री अमित शाह ने मणिपुर में 6 महीने के लिए राष्ट्रपति शासन को आगे बढ़ा दिया है. राष्ट्रपति शासन के बाद हालात कुछ हद तक सामान्य हुए हैं. सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस ने लूटे गए हजारों हथियारों में से करीब 3,000 हथियार बरामद भी किए हैं. गृह मंत्री अमित शाह पहले ही मणिपुर का दौरा कर चुके हैं. हालांकि यहां समय-समय पर छिटपुट हिंसा अब भी देखने को मिलती रहती है.

हिंसा में मारे गए 260 से ज्यादा लोग

मणिपुर में हिंसा भड़के हुए 29 महीनों से ज्यादा का समय हो चुका है. इतने समय बाद पीएम मोदी का यह पहला दौरा हो रहा है. यहां मेइती और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष में 260 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं. मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग ने इस संघर्ष को हवा दी थी. जिसका कुकी और अन्य आदिवासी समुदाय विरोध करते हैं.

संसद में उठा था मणिपुर का मुद्दा

मणिपुर में भड़की हिंसा को लेकर विपक्ष लंबे समय से सरकार पर सवाल खड़े कर रहा है. यह मामला संसद में भी उठाया गया था.विपक्ष ने पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए कहा था कि उनके पास मणिपुर जाने का समय नहीं है. अब जब पीएम मोदी मणिपुर जानें वाले हैं तो इससे पहले एक बार फिर विपक्ष ने हमला बोलना शुरू कर दिया है.

रूस की कैंसर वैक्सीन अंतिम चरण में

> जल्द होगा इस्तेमाल

मॉस्को.

रूस की कैंसर वैक्सीन प्रीक्लिनिकल ट्रायल में पास हो गई है और इस्तेमाल के लिए तैयार है. 3 साल तक चले ट्रायल में इसके सुरक्षित और कारगर होने की पुष्टि हुई. यह जानकारी रूस की फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी की हेड वेरोनिका स्क्वोर्त्सोवा ने दी. उन्होंने बताया कि वैक्सीन पर कई सालों तक रिसर्च हुई और 3 साल तक इसका प्रीक्लिनिकल ट्रायल हुआ. वेरोनिका ने कहा कि वैक्सीन इस्तेमाल के लिए तैयार है, हम आधिकारिक मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं.

वैक्सीन का बार-बार इस्तेमाल करने पर भी इसका प्रभाव बहुत अच्छा रहा. रिसर्चर्स ने ट्यूमर के आकार में 60% से 80% तक की कमी देखी. वैक्सीन का शुरुआती टारगेट कोलोरेक्टल कैंसर होगा. इसके अलावा ग्लियोब्लास्टोमा और अलग तरह के मेलेनोमा के लिए वैक्सीन डेवलप करने में भी अच्छी प्रगति हुई है.

रूस ने जो वैक्सीन बनाई है, वह एक एमआरएनए वैक्सीन है. इसे हर पेशेंट के आरएनए के हिसाब से स्टिमुलेट किया जाएगा. वैक्सीन को मंजूरी मिली तो कीमोथेरेपी की जरूरत नहीं पड़ेगी. ब्रिटिश सरकार जर्मनी की बायोएनटेक के साथ मिलकर कैंसर वैक्सीन डेवलप कर रही है. अमेरिकी फार्मास्युटिकल कंपनियां मॉडर्ना और मर्क भी स्किन कैंसर से लड़ने वाली वैक्सीन बना रही हैं.

भारत में साल 2024 में कैंसर की वजह से 4.60 लाख पुरुषों की मौत हुई. वहीं 4.14 लाख महिलाओं को जान गंवानी पड़ी. यानी पुरुषों में कैंसर से होने वाली मौतें महिलाओं की तुलना में अधिक थीं. आइएमसीआर (इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च) के मुताबिक, अगले 5 साल में भारत में 12% की दर से कैंसर मरीज बढ़ेंगे. इसमें कम उम्र के लोग भी कैंसर का तेजी से शिकार होंगे. नेचर जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के मुताबिक, कम उम्र में कैंसर होने की सबसे बड़ी वजहों में हमारी लाइफस्टाइल है.

शिगेरू ने जापान के पीएम पद से इस्तीफा दिया

> संसदीय चुनावों में हार के कारण दबाव बढ़ा

टोक्यो.

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. जापान के नेशनल ब्रॉडकास्टर एनएचके ने यह खबर के मुताबिक शिगेरू इशिबा ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दिया है ताकि सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी में फूट को रोका जा सके. हालांकि इस घोषणा से कुछ हफ्ते पहले ही इशिबा ने ऐसी खबरों को खारिज किया था कि वे इस्तीफा देने जा रहे हैं.

तब उन्होंने कहा था कि वे अमेरिका के साथ हुए टैरिफ समझौते को ठीक तरह से लागू कराना चाहते हैं. अब इस्तीफे का फैसला ऐसे समय पर आया है जब उनकी पार्टी एलडीपी और उसके सहयोगियों को जुलाई में हुए चुनाव में ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा था. इस हार के चलते एलडीपी ने ऊपरी सदन में अपना बहुमत खो दिया, जिससे पार्टी के भीतर मतभेद और असंतोष बढ़ गया था. इशिबा ने अपने इस्तीफे से यह संकेत दिया है कि वे पार्टी में एकजुटता बनाए रखना चाहते हैं और राजनीतिक अस्थिरता से देश को बचाना उनका प्राथमिक उद्देश्य है.

इस घटनाक्रम का असर न केवल जापान की आंतरिक राजनीति पर पड़ेगा, बल्कि अमेरिका-जापान व्यापार संबंधों और अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है. जापान की राजनीति में इस वक्त राजनीतिक अस्थिरता है, जो पिछले 5 साल से जारी है. यहां पर कोई भी प्रधानमंत्री लगातार 3 साल तक टिक नहीं पा रहा है.प्रधानमंत्री के कार्यकाल में बार-बार हो रहे बदलाव की वजह लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष और फ्रैक्शनल राजनीति मानी जा रही है. पूर्व प्रधानमंत्री किशिदा का कार्यकाल भी 38 दिन था और इशिबा का भी पहले कार्यकाल लगभग 42 दिन था. एक बार फिर पीएम पद में होने जा रहे बदलाव से इस देश का राजनैतिक भविष्य फिर अधर में लटक गया है.

यूपी के 5 शहर कैसे बनेंगे हाईटेक?, 24 घंटे बिजली, एक्सप्रेसवे और एआई

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है. 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के विजन के तहत प्रदेश के पांच शहरों लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा को विश्वस्तरीय शहरों के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है. इन शहरों में लखनऊ और कानपुर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हब के रूप में स्थापित किया जाएगा. इसके साथ ही 2030 तक शहरीकरण को 35 प्रतिशत तक बढ़ाने और 2047 तक हर जिले को एक्सप्रेसवे से जोड़ने की योजना है. इसके अलावा प्रदेश को 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है.

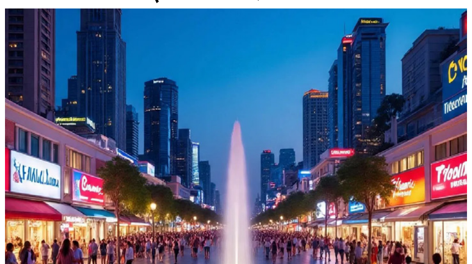

नियोजन विभाग ने सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर 'विकसित उत्तर प्रदेश' के लक्ष्यों पर काम शुरू कर दिया है. इसके तहत पांच शहरों को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा.

इन शहरों को पीने का साफ पानी, 24 घंटे बिजली, पक्के मकान, मॉडर्न पब्लिक ट्रांसपोर्ट, मेट्रो और लाइट मेट्रो जैसी सुविधाओं से लैस किया जाएगा. खास तौर पर लखनऊ और कानपुर को एआई सिटी के रूप में विकसित करने की योजना है, जो तकनीकी नवाचार और आर्थिक प्रगति का केंद्र बनेंगे.

इन शहरों को ग्लोबल लेवल पर पहचान दिलाने के लिए खास रणनीति बनाई जा रही है, ताकि ये शहर वर्ल्ड के टॉप शहरों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें. प्रदेश सरकार का फोकस 2030 तक प्रदेश के शहरीकरण के स्तर को 35 प्रतिशत तक बढ़ाने का है.

इसके लिए तीन रीजनल इकॉनमिक जोन स्थापित किए जाएंगे. वाराणसी और विंध्य क्षेत्र के लिए रीजनल प्लान जल्द लागू किया जाएगा. ये जोन आर्थिक विकास को रफ्तार देने और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाएंगे. इसके साथ ही हर जिले में कम से कम एक इंडस्ट्रियल नोड स्थापित करने की योजना है, जिससे स्थानीय स्तर पर उद्योग और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे.

उत्तर प्रदेश पहले से ही देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे नेटवर्क रखता है. सरकार ने 2047 तक हर जिले को एक्सप्रेसवे से जोड़ने का लक्ष्य रखा है. ताकि बेहतर कनेक्टिविटी के जरिए आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा दिया जा सके.

इस दिशा में एक अहम कदम के रूप में, मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाला गंगा एक्सप्रेसवे जल्द शुरू होने वाला है. यह एक्सप्रेसवे प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़कर व्यापार और आवागमन को सुगम बनाएगा. इसके अलावा एयरपोर्ट, मेट्रो और रैपिड ट्रेन जैसी सुविधाएं भी इन शहरों को और आधुनिक बनाएंगी.

ट्रंप का चुपके-चुपके जिनपिंग से मिलने का प्लान

वाशिंगटन.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके टॉप सलाहकार इस साल साउथ कोरिया जा सकते हैं. ट्रंप का यह दौरा अक्टूबर के आखिर में होगा. इस दौरान ट्रंप एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे. ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मिल सकते हैं. मीटिंग को लेकर योजना बन रही है, हालांकि अभी तक शेड्यूल तय नहीं हो पाया है

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप और जिनपिंग के बीच एपीईसी समिट के दौरान द्विपक्षीय बैठक हो सकती है. ट्रंप और जिनपिंग की मुलाकात ऐसे समय होगी है, जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा हुआ है, खासकर ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ को लेकर. ट्रंप उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से भी मुलाकात कर सकते हैं.

पिछले महीने ट्रंप और जिनपिंग के बीच फोन पर बातचीत हुई थी. इस दौरान जिनपिंग ने ट्रंप और उनकी पत्नी को चीन आने का न्योता दिया था. ट्रंप का जवाब भी सकारात्मक रहा, लेकिन दोनों नेताओं के मुलाकात की तारीख तय नहीं पाई है. एपीईसी समिट के अक्टूबर के अंत में ग्योंगजू में होगा. इस यात्रा को ट्रंप के लिए अमेरिका में आर्थिक निवेश सुनिश्चित करने के अवसर के रूप में भी देख रहा है. यह भी कहा जा रहा है कि ट्रंप अपनी यात्रा में अन्य देशों के दौरे पर भी जा सकते हैं.

यह भी कहा जा रहा है कि ट्रंप इस दौरे में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से भी मिल सकते हैं. हालांकि अभी यह तय नहीं है कि किम एपीईसी समिट में शामिल होंगे या नहीं. व्हाइट हाउस के अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप के साउथ कोरिया दौरे का मकसद अमेरिका में आर्थिक निवेश बढ़ाना, व्यापार, रक्षा और न्यूक्लियर सहयोग पर चर्चा करना है.

ट्रंप ने पिछले हफ्ते व्हाइट हाउस में साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग से मुलाकात की थी. म्युंग ने ट्रंप को एपीईसी समिट के लिए इनवाइट किया. म्युंग ने ट्रंप और किम के बीच मीटिंग का प्रस्ताव रखा था.

ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में 3 बार किम जोंग उन से मिल चुके हैं. ट्रंप ने ली से कहा कि वह किम से मिलना चाहते हैं.

अशोक चिन्ह हटाने वालों को बताया आतंकी

श्रीनगर.

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर स्थित हजरतबल दरगाह में अशोक स्तंभ वाली एक शिलापट्टी को ईद-ए-मिलाद के दिन लोगों ने तोड़ दिया. अब इस मामले को लेकर विवाद बढ़ गया है. नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित जम्मू-कश्मीर की पार्टियों ने शनिवार को श्रीनगर स्थित हजरतबल दरगाह के अंदर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह रखकर "मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने" के आरोप में जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख़्शां अंद्राबी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. दरअसल, डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने हजरतबल दरगाह में एक संगमरमर की पट्टिका पर अशोक स्तंभ का चिन्ह उकेरवाया था, जिसे 3 सितंबर 2025 को उद्घाटित किया गया था. इसी के बाद लोगों ने इसको तोड़ दिया. इसी के बाद अब इस पर सियासी दलों की तरफ से रिएक्शन सामने आने लगे हैं. जहां एक तरफ कुछ दल अंद्राबी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. वहीं, दूसरी तरफ बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी ने अशोक स्तंभ लगाने का विरोध करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा है. अंद्राबी ने कहा कि जिन लोगों को अशोक स्तंभ के इस्तेमाल से समस्या है, उन्हें दरगाह जाते समय प्रतीक चिह्न वाले नोट नहीं ले जाने चाहिए. इसी के साथ उन्होंने शिलापट्टी को तोड़ने वालों को आतंकवादी तक कह दिया. देखते ही देखते दरगाह के इस मामले ने सियासी रुख ले लिया है. दरगाह में अशोक स्तंभ वाली शिलापट्टी को तोड़े जानी की घटना को दरख्शां अंद्राबी ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया. उन्होंने कहा, कुछ लोग इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं. उन्होंने हजरतबल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा, यह घटना पत्थर पर दाग नहीं है, यह मेरे दिल पर दाग है. यह संविधान पर एक दाग है, जिसे यहां के चुने हुए नेता उभारते हैं. क्या यहां के नेता प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल नहीं करते? क्या हमारे चुने हुए मुख्यमंत्री प्रतीक चिह्न साथ नहीं ले जाते?

मृणाल पंडित को अंतरराष्ट्रीय कवि, साहित्यकार के रूप में मिली मान्यता

कोलकाता (सौमित्र नंदी).

त्रिपुरा में अगरतला निवासी डॉ. मृणाल कांति पंडित, जो एक कवि और लेखक हैं, उन्हें हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय कवि और साहित्यकार के रूप में पहचान मिली है। यह सम्मान उनकी साहित्यिक यात्रा का एक अहम पड़ाव है।

इस अवसर पर उन्हें श्री श्री माँ आनंदमयी कालीबाड़ी आश्रम के प्रमुख, स्वामी शिवानंद सरस्वती महाराज ने आशीर्वाद दिया। उन्होंने डॉ. पंडित को अंगवस्त्र पहनाया और उनके हाथ में एक कलम और फूल देकर उनके आने वाले जीवन में निरंतर सफलता और समृद्धि की कामना की। डॉ. पंडित ने इस सम्मान को पाकर खुशी और अभिभूतता व्यक्त की है।

डॉ. मृणाल कांति पंडित ने अपनी लेखनी से हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान को दर्शाती है, बल्कि हिंदी कविता और साहित्य को वैश्विक मंच पर भी पहचान दिलाती है। यह सम्मान उन सभी उभरते हुए कवियों और लेखकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है जो अपनी कला और रचनात्मकता से समाज में बदलाव लाना चाहते हैं। यह घटना बताती है कि साहित्य और कला को सीमाओं से परे भी सम्मान और सराहना मिलती है।

पश्चिमी सिंहभूम में नक्सली अमित हांसदा ढेर

रांची.

झारखंड को नक्सलमुक्त बनाने के लिए सुरक्षा बलों का अभियान लगातार जारी है. राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस, झारखंड जगुआर, कोबरा बटालियन और सीआरपीएफ के जवान बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं. इन्हीं प्रयासों के तहत पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा क्षेत्र में रविवार सुबह सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई. इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए नक्सली संगठन के कुख्यात जोनल कमांडर अमित हांसदा को ढेर कर दिया.

अमित हांसदा पर झारखंड सरकार ने 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था. सुरक्षा बलों को मौके से एक एसएलआर (एसएलआर) राइफल और कई अन्य सामान भी बरामद हुए हैं. फिलहाल घटनास्थल और आसपास के पूरे इलाके में तलाशी अभियान जारी है.

चाईबासा एसपी को सूचना मिली थी कि गोईलकेरा थाना क्षेत्र के आराहासा पंचायत अंतर्गत रेलापराल गांव के पास नक्सली संगठन के कुछ सदस्य इकट्ठा हुए हैं. बताया गया कि ये नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे. इस सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया. जब जवान गांव के नजदीक पहुंचे तो नक्सलियों ने उन पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी. सुरक्षा बलों ने भी तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की. गोलीबारी में नक्सली जोनल कमांडर अमित हांसदा मारा गया. उसकी पहचान मौके पर ही कर ली गई. हांसदा लंबे समय से नक्सल गतिविधियों में सक्रिय था और कई हिंसक घटनाओं में शामिल रहा था.

झारखंड पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लिए यह कार्रवाई बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है. अमित हांसदा जैसे कुख्यात कमांडर के मारे जाने से नक्सली संगठन को गहरा झटका लगा है. पुलिस का मानना है कि इस सफलता के बाद इलाके में नक्सलियों का मनोबल कमजोर होगा और उनके नेटवर्क पर भी असर पड़ेगा. मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. संभावना जताई जा रही है कि नक्सलियों का एक बड़ा गिरोह आसपास छिपा हो सकता है.

गौरतलब है कि यह झारखंड में सुरक्षा बलों की हाल की दूसरी बड़ी सफलता है. इससे पहले 6 अगस्त को गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र स्थित पारही जंगल में हुई मुठभेड़ में पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफ़आई) का सुप्रीमो और 15 लाख का इनामी नक्सली मार्टिन केरकेट्टा मारा गया था. मार्टिन केरकेट्टा लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था.

आपदा पर एक्शन में मोहन यादव

> 5 करोड़ की मदद और भेजी राहत सामग्री से भरी ट्रेन

भोपाल.

देश के कई इलाकों में बारिश का कहर जारी है. मध्य प्रदेश- छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में बाढ़ के हालात हैं. भारी बारिश की वजह से जन- जीवन अस्त व्यस्त है.

इस परिस्थिति में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ की मदद के लिए अहम कदम उठाया है. मदद का हाथ बढ़ाते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ को 5 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता के साथ-साथ राहत सामग्री से भरी एक ट्रेन उपलब्ध कराई है.

सीएम डॉ. यादव का कहना है कि पड़ोसी राज्य की मदद करना हमारा दायित्व है. मध्यप्रदेश हर संकट में सदैव छत्तीसगढ़ के साथ खड़ा है. मध्यप्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ सरकार को हर तरह की मदद का आश्वासन देती है.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावना है कि सभी सरकारें संकट की घड़ी में जनता के साथ खड़ी हों. अतिवृष्टि के कारण छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में आई बाढ़ से जन-धन की क्षति हुई है। पड़ोसी राज्य होने के नाते हमारा दायित्व है कि हर संभव सहायता पहुचाए। इसी क्रम में मध्यप्रदेश सरकार की ओर से 5 करोड़ की राशि एवं आवश्यक राहत सामग्री भेजी जा रही है।

छत्तीसगढ़ के इलाकों में आई बाढ़ का पता चलते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक्शन में आ गए. उन्होंने प्रशासन को तत्काल निर्देश दिए कि 5 करोड़ रुपये की मदद छत्तीसगढ़ सरकार को दी जाए. वहां किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए. इस मामले पर सीएम डॉ. यादव ने कहा कि कई जगह अतिवृष्टि के कारण बाढ़ के हालात बन गए हैं.

पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में भारी क्षति हुई है. ऐसी परिस्थिति में हमारा उत्तरदायित्व है कि हम पड़ोसी राज्य की सहायता करें. हमने मध्यप्रदेश सरकार की ओर से 5 करोड़ की राशि सीएम फंड में जमा कराई है.

मध्य प्रदेश सदैव छत्तीसगढ़ के साथ

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आर्थिक सहायता के अतिरिक्त राहत सामग्री से भरी एक ट्रेन भी आपदा पीड़ितों के लिए भिजवाई है. छत्तीसगढ़ सरकार भी जनता की मदद कर रही है. हमारी सरकार आसपास के इलाकों की परिस्थिति पर भी निगाह रख रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावना के अनुरूप सभी सरकारें परस्पर समन्वय के साथ दुख और परेशानी की घड़ी में जनता के साथ खड़े हैं. मैं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को आश्वासन देता हूं कि संकट के समय मध्यप्रदेश सदैव उनके साथ खड़ा है.